RNI No. : TNHIN/2013/5252 · वर्ष - 13 · अंक - 191 · पृष्ठ - 8 · रु. 5/- · चेन्नई » शुक्रवार » 06-02-2026 · www.dakshinbharat.com · Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 विपक्ष को बोलने नहीं दिया गया, इसलिए विपक्ष ने वाकआउट किया

6 दिल्ली में लापता होने की बढ़ती घटनाएँ

7 'अब मंजूरी नहीं, आजादी जरूरी' : लीसा रे

फर्स्ट टेक

फर्जी खबरों और आतंकी भर्ती पर रोक के लिए कर्नाटक मंत्रिमंडल ने एसएमएएस योजना को मंजूरी दी

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने बृहस्पतिवार को फर्जी खबरों को रोकने के लिए कृत्रिम मेधा (एआई)-संचालित सोशल मीडिया एनालिटिकल सॉल्यूशन (एसएमएएस) को मंजूरी दे दी। राज्य सरकार के मंत्री एचके पाटिल ने कहा कि मंत्रिमंडल की बैठक में 67.20 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत वाली एसएमएएस परियोजना को मंजूरी दी गई। उन्होंने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाताओं को बताया, ''सरकार अब एसएमएएस के माध्यम से सोशल मीडिया सामग्री की जांच करेगी।'' पाटिल ने कहा कि इससे आतंकी संगठनों द्वारा की जाने वाली भर्ती पर भी नजर रखी जा सकेगी। उन्होंने कहा कि एसएमएएस फर्जी खबरों के प्रसार को रोकने और सोच-समझकर निर्णय लेने में मदद करेगा।

सोने की मिलावट वाले प्लैटिनम उत्पाद के आयात पर सरकार ने अंकुश लगाया

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने सोने की मिलावट के साथ प्लैटिनम के अवैध आयात पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से बृहस्पतिवार को प्लैटिनम से बने कुछ उत्पादों के आयात पर पाबंदी लगा दी। इससे पहले इन वस्तुओं के आयात पर किसी भी तरह की पाबंदी नहीं थी। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा, आईटीसी एचएस कोड 71141920 के अंतर्गत आने वाली वस्तुओं की आयात नीति को 'मुक्त' से बदलकर 'अंकुश' की श्रेणी में डाल दिया गया है। इस एचएस कोड में प्लैटिनम से बने आभूषण एवं अन्य उत्पाद शामिल हैं। उद्योग से जुड़े एक विशेषज्ञ के मुताबिक, पहले प्लैटिनम मिश्रधातु (अलॉय) के रूप में सोने का आयात हो रहा था, जिसे सरकार ने पहले ही बंद कर दिया था। इसके बाद प्लैटिनम के उत्पादों में सोना मिलाकर आयात किए जाने का चलन सामने आया।

06-02-2026	07-02-2026
सूर्यास्त 6:11 बजे	सूर्योदय 6:34 बजे

BSE	NSE
83,313.93	25,642.80
(-503.76)	(-133.20)

सोना	चांदी
15,900 रु.	270,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

चयनकर्ता

जो खुद चुनाव ना लड़ सकते,
वे बने चयन के अधिकारी।
दागी दोषी हों भले मगर,
दल रहते उनके आभारी।
धनबल भुजबल या छलबल के,
होते जो अतुलित बलधारी।
दल जीते जिन षड़यंत्रों से
उन यंत्रों के वे व्यापारी।।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्यसभा में कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा

'मोहब्बत की दुकान' की बात करने वाले 'मोदी तेरी कब्र खुदेगी' जैसे नारे लगा रहे

■ प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष पर राष्ट्रपति और संविधान का अपमान करने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा में कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि विपक्षी दल लगातार मिली चुनावी हार को पचा नहीं पा रहा है और उनके प्रति गहरी नफरत रखने के बावजूद वह कभी उनकी कब्र नहीं खोद पाएगा क्योंकि करोड़ों भारतीयों का आशीर्वाद उनका कवच है।

राज्यसभा में राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने लोकसभा में विपक्षी दल द्वारा डाले गए व्यवधान पर खेद जताया और कहा कि यह न केवल एक आदिवासी और महिला राष्ट्रपति का अपमान है, बल्कि उनके सर्वोच्च संवैधानिक पद और भारत के संविधान का भी अपमान है। मोदी ने कहा कि उन्हें संविधान के बारे में बात करने का कोई हक नहीं है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू पर राहुल गांधी की 'गद्दार' टिप्पणी की भी निंदा की और इसे पूरे सिख समुदाय का अपमान बताया और कहा कि यह सिखों के प्रति कांग्रेस की नफरत को दिखाता है। उन्होंने कहा कि लोगों को अपमानित करना कांग्रेस की संस्कृति का हिस्सा है।

प्रधानमंत्री ने तृणमूल कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोलते हुए उन पर घुसपैठियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया।

राज्यसभा ने विपक्षी सदस्यों की अनुपस्थिति में ध्वनि मत से धन्यवाद प्रस्ताव पारित कर दिया। विपक्ष के सदस्य प्रधानमंत्री का भाषण शुरू होने के कुछ ही देर बाद सदन से बाहर चले गए थे। उन्होंने प्रधानमंत्री के भाषण को बाधित करने की कोशिश करते हुए पहले नारे भी लगाए।

अपने करीब 100 मिनट के भाषण में, मोदी ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला और कहा कि वह देश के विकास के लिए कोई दृष्टि देने में विफल रही, और केवल 'शाही परिवार' के हितों की सेवा करते हुए अपने खजाने भरती रही।

दिल्ली-एनसीआर, गुजरात में

'भारत टैक्सी' सेवा की शुरुआत

■ तीन साल में 'भारत टैक्सी' का देशभर में होगा विस्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ भारत टैक्सी में ड्राइवर ही मालिक होंगे, हर 100 रुपए की कमाई में से 80 रुपए सीधे ड्राइवरों को मिलेंगे और शेष 20 रुपए भी सामूहिक रूप से ड्राइवरों के स्वामित्व में रहेंगे।

■ ड्राइवरों को स्वास्थ्य बीमा, दुर्घटना बीमा, सेवानिवृत्ति बचत और सहायता केंद्र जैसी सामाजिक सुरक्षा सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी।

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को देश के पहले सहकारी-संचालित ऑनलाइन कैब सेवा 'भारत टैक्सी' की शुरुआत की। अभी दिल्ली-एनसीआर और गुजरात में शुरू होने वाली इस सेवा का अगले तीन साल में देशभर में विस्तार किया जाएगा।

शाह ने इस अवसर पर कहा कि अमूल सहित देश की आठ शीर्ष सहकारी संस्थाओं द्वारा स्थापित 'भारत टैक्सी' से चालकों (ड्राइवर) की आय में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और उन्हें इस मंच पर स्वामित्व भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि पायलट परीक्षण की सफलता के बाद प्रतिस्पर्धी टैक्सी सेवा प्रदाताओं ने अपने कमीशन घटा दिए हैं और मुफ्त सवारी जैसे प्रोत्साहन भी दिए हैं लेकिन भारत टैक्सी जैसा ड्राइवर-स्वामित्व मॉडल कोई दूसरा ऑनलाइन कैब सेवा प्रदाता नहीं देता है।

शाह ने कहा, दिल्ली-एनसीआर और गुजरात में भारत टैक्सी सेवा की वाणिज्यिक शुरुआत हो गई है। अगले तीन वर्षों में यह सेवा सभी राज्यों में पहुंच जाएगी। उन्होंने करीब 1,000 ड्राइवरों को संबोधित करते हुए कहा, आप ड्राइवर होने के साथ भारत टैक्सी मंच के मालिक भी होंगे। इस मंच पर हर 100 रुपए की कमाई में से 80 रुपए सीधे ड्राइवरों के बैंक खातों में जाएंगे, जबकि 20 रुपए मंच के संचालन के लिए रखे जाएंगे।

प्रधानमंत्री ने झूठ की शरण ली : राहुल

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा का जवाब देते हुए झूठ की शरण ली, क्योंकि वह (मोदी) सच्चाई से डर गए। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, ''बस सवालों से इतनी घबराहट? मोदी जी सच्चाई से ऐसा डरे (कि) झूठ की शरण ले ली। खैर, जो उचित समझा, (उन्होंने) वही किया।'' नेता प्रतिपक्ष, पूर्व सेना प्रमुख एम एम नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण का हवाला देकर चीन के साथ सैन्य तनाव का विषय लोकसभा में उठाना चाहते थे, लेकिन आसन से अनुमति नहीं मिली। इस कारण चार दिनों से निचले सदन में गतिरोध बना हुआ है और राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव भी प्रधानमंत्री के जवाब के बिना पारित हुआ। मोदी ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा में कहा कि भारत आज विश्व में पैदा हो रही चुनौतियों के समाधान के लिए आशा की किरण बना हुआ है और दुनिया एक नई वैश्विक व्यवस्था की ओर आगे बढ़ रही है।

पांच तेजस लड़ाकू विमान भारतीय वायुसेना को सौंपे जाने के लिए तैयार : एचएएल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकारी एयरोस्पेस कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने बृहस्पतिवार को कहा कि पांच तेजस हल्के लड़ाकू विमान भारतीय वायु सेना को सौंपने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

रक्षा मंत्रालय ने फरवरी 2021 में वायु सेना के लिए 83 तेजस एमके-1ए लड़ाकू विमान खरीदने के लिए एचएएल के साथ 48,000 करोड़ रुपए का करार किया था। हालांकि जीई एयरोस्पेस द्वारा इंजन की आपूर्ति कई समय सीमाओं के बावजूद नहीं होने की वजह से इन लड़ाकू विमानों की आपूर्ति में देरी हो रही है।

एचएएल की एक प्रवक्ता ने बताया, ''एचएएल पुष्टि करती है कि पांच विमान आपूर्ति के लिए पूरी तरह से तैयार हैं, जिनमें अनुबंधित विशिष्टताओं के अनुसार प्रमुख क्षमताएं शामिल हैं।'' उन्होंने बताया, ''नौ अतिरिक्त विमान पहले ही बनकर तैयार हो चुके हैं और उनका परीक्षण भी हो चुका है। जीई से इंजन प्राप्त होते ही ये विमान आपूर्ति के लिए तैयार हो जाएंगे।'' प्रवक्ता ने बताया कि डिजाइन और विकास से संबंधित सभी समस्याओं का तेजी से समाधान किया जा रहा है। तेजस एकल इंजन वाला बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान है जो उच्च खतरे वाले हवाई वातावरण में अपने मिशन को अंजाम देने में सक्षम है। इसे वायु रक्षा, समुद्री टोही और आक्रमणकारी भूमिकाओं को निभाने के लिए डिजाइन किया गया है। प्रवक्ता ने कहा कि एचएएल विमान की जल्द से जल्द आपूर्ति के लिए भारतीय वायु सेना के साथ सक्रिय रूप से बातचीत कर रहा है।

स्मृति और जॉर्जिया के अर्धशतक,

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु ने दिल्ली को हराकर डब्ल्यूपीएल खिताब जीता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

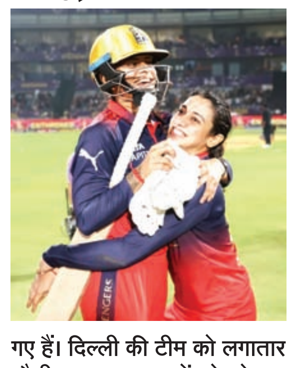

वडोदरा/भाषा। कप्तान स्मृति मंधाना और जॉर्जिया वोल के अर्धशतक और दोनों के बीच शतकीय साझेदारी से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु ने महिला प्रीमियर लीग चार के बड़े स्कोर वाले रोमांचक फाइनल में बृहस्पतिवार को यहां दिल्ली कैपिटल्स को छह विकेट से हराकर दूसरी बार खिताब जीत लिया।

अब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु और मुंबई इंडियनस दोनों के नाम पर दो-दो डब्ल्यूपीएल खिताब हो गए हैं। दिल्ली की टीम को लगातार चौथी बार फाइनल में खेलते हुए शिकस्त का सामना करना पड़ा।

दिल्ली के 204 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु ने स्मृति (87 रन, 41 गेंद, 12 चौके, तीन छक्के) और जॉर्जिया (79 रन, 54 गेंद, 14 चौके) के बीच दूसरे विकेट की 165 रन की साझेदारी से 19.4 ओवर में चार विकेट पर 204 रन बनाकर जीत दर्ज की। चिनेल हेनरी (34 रन पर दो विकेट) और नंदिनी (41 रन पर एक विकेट) ने अंतिम ओवरों में दिल्ली कैपिटल्स को वापसी दिलाने की कोशिश की लेकिन टीम को हार से नहीं बचा पाईं। दिल्ली कैपिटल्स ने कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स (57), लॉरा वोल्वार्ट (44), सलामी बल्लेबाज लिजेल ली (37) और सलामी बल्लेबाज हेनरी (नाबाद 35) की पारियों से चार विकेट पर 203 रन बनाए।

दोबारा इस्तेमाल किये जाने वाले प्रक्षेपण यान की तकनीक पर काम कर रहा इसरो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन ने बृहस्पतिवार को कहा कि अंतरिक्ष एजेंसी वर्तमान में दोबारा इस्तेमाल किये जाने वाले प्रक्षेपण यान (आरएलवी) की प्रौद्योगिकी के विकास पर कार्य कर रही है। उन्होंने रेखांकित किया कि इसका उद्देश्य भारत की सीमित लागत के साथ अंतरिक्ष गतिविधियों को अंजाम देना है।

नारायणन ने पिंपरी चिंचवड स्थित डी वाई पाटिल इंटरनेशनल विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह के दौरान संवाददाताओं से कहा कि यह कार्य प्रायोगिक चरण में है।

इसरो प्रमुख ने 'स्पेसएक्स' जैसी निजी कंपनियों से मिल रही प्रतिस्पर्धा के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए कहा, ''इसमें कोई संदेह नहीं है कि दोबारा इस्तेमाल किये जाने वाले प्रक्षेपण यान अंतरिक्ष कार्यक्रम को अधिक लागत प्रभावी बनाते हैं। हम वर्तमान में दोबारा इस्तेमाल किये जाने वाले प्रक्षेपण यान (आरएलवी) प्रौद्योगिकी के विकास की दिशा में काम कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम इसे किसी के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं मानते। भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम भारत के लिए है। ताकत ही ताकत का सम्मान करती है, और एक जीवंत अंतरिक्ष कार्यक्रम के बिना कोई भी हमारा समर्थन नहीं करेगा।''

इसरो प्रमुख ने गगनयान मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन के बारे में कहा कि इसे 2027 तक अमली जामा पहनाने का लक्ष्य है, इसके तहत मानवयुक्त उड़ान से पहले तीन मानवरहित मिशन को अंजाम देने की योजना बनाई गई है।

नारायणन ने कहा हालांकि पहले मानवरहित मिशन की तारीखें अभी तक तय नहीं की गई हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा और अगले दोनों वर्षों को 'गगनयान वर्ष' घोषित किया गया है, और काम योजना के अनुसार आगे बढ़ रहा है।

इसरो प्रमुख ने भविष्य के ग्रहीय मिशन के बारे में कहा कि चंद्रयान-4 और चंद्रयान-5 स्वीकृत कार्यक्रम हैं और इन्हें 2028 के आसपास क्रियान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि शुक्रयान मिशन से संबंधित गतिविधियां निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ रही हैं।

नारायणन ने पीएसएलवी मिशन से संबंधित हालिया घटनाओं को लेकर पूछे सवाल पर कहा कि संगठन इन्हें असफलता के रूप में नहीं देखता है। उन्होंने कहा, ''हर चीज एक सीखने की प्रक्रिया है। समितियां आंकड़ों का विश्लेषण कर रही हैं और प्रणालियों को बेहतर ढंग से समझने की दिशा में काम कर रही हैं।''

इसरो प्रमुख ने कहा कि विश्लेषण पूरा होने के बाद विस्तृत निष्कर्ष साझा किए जाएंगे।

सनातन धर्म शाश्वत सिद्धांतों पर आधारित, कभी पराजित नहीं होता : पुष्कर सिंह धामी

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री धामी ने बृहस्पतिवार को कहा कि सनातन धर्म शाश्वत सिद्धांतों पर आधारित है जो समय के साथ चलता है और कभी पराजित नहीं होता।

हरिद्वार में स्वामी सत्यमित्रानंद गिरी की मूर्ति स्थापना और समाधि के लोकार्पण के अवसर पर आयोजित 'संत सम्मेलन' में भाग लेते हुए धामी ने कहा, ''सनातन धर्म मानव निर्मित नहीं, बल्कि शाश्वत सिद्धांतों पर आधारित है। यह समय के साथ चलता है और कभी पराजित नहीं होता।'' उन्होंने इस मौके पर गंगा तट पर इकटठा हुए सभी संत महात्माओं, धर्मगुरुओं एवं श्रद्धालुओं को सनातन चेतना के जीवंत प्रतीक बताया और कहा कि आप सभी राष्ट्र एवं संस्कृति के लिए अपना अमूल्य योगदान दे रहे हैं।

धामी ने कहा कि जिन महापुरूषों ने अपना सम्पूर्ण जीवन राष्ट्रधर्म, सेवा, त्याग और करुणा के लिए समर्पित किया, वे सभी केवल संन्यासी नहीं बल्कि राष्ट्र चेतना से जुड़े दिव्य संत हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संत परंपरा किसी एक पंथ या संप्रदाय तक सीमित न होकर वसुधैव कुटुंबकम के भाव से सम्पूर्ण विश्व को जोड़ने का कार्य करती है ।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में 12 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

बीजापुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में बृहस्पतिवार को 12 नक्सलियों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों पर कुल 46 लाख रुपए का इनाम था। बीजापुर के पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव ने बताया कि माओवादियों के 'दक्षिण उप-क्षेत्रीय ब्यूरो' से संबंधित आठ महिलाओं समेत कुल 12 नक्सलियों ने बस्तर पुलिस की 'पूना मार्गम' (पुनर्वास से लेकर सामाजिक पुनर्एकीकरण तक) पहल के तहत यहां वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पट्टिलिंगम ने कहा कि माओवादी संगठन तेजी से अपने अंत की ओर बढ़ रहा है।

हमारी सरकार जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा बहाल कराने के लिए प्रतिबद्ध : उमर

जम्मू/भाषा। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बृहस्पतिवार को विधानसभा के बजट सत्र के दौरान एक बार फिर दोहराया कि उनकी सरकार जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा बहाल कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उपराज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा समाप्त करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि अभिभाषण में अनुच्छेद 370 का विशेष रूप से उल्लेख नहीं किया गया, क्योंकि यह प्रावधान अब भी संविधान में मौजूद है, हालांकि इसे 'खोखला' कर दिया गया है। उन्होंने कहा, मैं यह दोहराना चाहता हूं कि जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस और यह सरकार चुनाव के दौरान किए गए वादों विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को बहाल कराने के वादे के प्रति प्रतिबद्ध है।'' हम अनुच्छेद 370 का विशेष रूप से उल्लेख किए जाने को जरूरी नहीं मानते क्योंकि इसे संविधान से हटाया नहीं गया है।

दिल्ली में डेटिंग ऐप अतिरिक्त शुल्क 'घोटाला' : रेस्तरां मालिक के खिलाफ तीन प्राथमिकी दर्ज

नई दिल्ली/भाषा। पूर्वी दिल्ली में डेटिंग ऐप के जरिये ग्राहकों को प्रलोभन देकर बुलाने और फिर उनसे अधिक पैसे वसूलने के आरोप में पुलिस ने एक रेस्तरां मालिक के खिलाफ तीन प्राथमिकी दर्ज की हैं। एक अधिकारी बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह कार्रवाई कई पीड़ितों से शिकायत मिलने के बाद की गई। अधिकारी ने बताया कि पूर्वी दिल्ली के आनंद विहार इलाके में एक मॉल स्थित कैफे में खाने-पीने की चीजों के अधिक बिल बनाने के संबंध में कई शिकायतें प्राप्त हुई थीं। उन्होंने बताया, ''कैफे मालिक के खिलाफ तीन प्राथमिकी दर्ज की गईं। कैफे को बंद कर दिया गया है।'' पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह मामला 'डेटिंग साजिश' से जुड़ा है।

डिजिटल, एआई टूल की सामाजिक प्रभाव बढ़ाने में बढ़ रही भूमिका: पीरामल चेयरमैन

नई दिल्ली/भाषा। पीरामल समूह के चेयरमैन अजय पीरामल ने बृहस्पतिवार को कहा कि सामाजिक प्रभाव बढ़ाने में डिजिटल और कृत्रिम मेधा (एआई) पर आधारित टूल की भूमिका बढ़ रही है और ये शिक्षा एवं स्थानीय शासन जैसे क्षेत्रों में लक्षित हस्तक्षेप को संभव बना रहे हैं। पीरामल ने यहां 'इंडिया लीडर्स फॉर सोशल सेक्टर' (आईएलएसएस) की तरफ से आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि भले ही धन जुटाने की प्रक्रिया अब भी काफी हद तक भौतिक रूप से संचालित होती है लेकिन प्रौद्योगिकी का उपयोग सार्वजनिक कल्याण योजनाओं के क्रियान्वयन में मौजूद संरचनात्मक खामियों को दूर करने के लिए किया जा रहा है।

विजयवाड़ा में मेडिकल छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

विजयवाड़ा/भाषा। आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में एक सरकारी मेडिकल कॉलेज की 26 वर्षीय स्नातकोत्तर मेडिकल छात्रा की पेट में तेज दर्द और उल्टी होने के बाद संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि यह घटना बृहस्पतिवार तड़के सामने आई, जब डॉक्टरों ने आईसीयू में इलाज के दौरान बी. दीपिका को मृत घोषित कर दिया। अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''सरकारी मेडिकल कॉलेज की 26 वर्षीय छात्रा की पेट में तेज दर्द और उल्टी होने के बाद संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई।'' पुलिस ने बताया कि 'एनेस्थिसियोलॉजी' विभाग में तृतीय वर्ष की स्नातकोत्तर छात्रा और अनंतपुर जिले की रहने वाली दीपिका ने रात को एक अन्य कनिष्ठ छात्रा के साथ 'एग फ्राइड राइस' खाने के बाद बेचैनी की शिकायत की थी।

'भारतजेन' इस माह 22 भाषाओं पर आधारित एआई मॉडल का कार्य पूरा करेगा: जितेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार का संप्रभु बहुभाषी एआई इंजन 'भारतजेन' के इस माह के अंत तक पाठ-आधारित सेवाओं का कार्य पूरा कर लेने की उम्मीद है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री सिंह ने राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान बताया कि भारतजेन एआई का विकास एक गतिशील प्रक्रिया है तथा इसमें आगे और भाषाएं एवं बोलियां भी जोड़ी जा सकती हैं।

पूरक प्रश्नों के जवाब में सिंह ने कहा, हम पहले ही 15 भाषाओं का कार्य पूरा कर चुके हैं। इस महीने के भीतर ही 22 (आधिकारिक) भाषाओं का कार्य पूरा कर लिया जाएगा। इस प्रकार इस माह तक सभी 22 भाषाओं में टेक्स्ट (पाठ) मॉड्यूल तैयार हो जाएगा, जबकि 15 भाषाओं में 'स्पीच और विज़न मॉड्यूल' भी उपलब्ध होंगे। सिंह भारतीय जनता पार्टी के सदस्य भुवनेश्वर कालिता के पूरक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। अक्टूबर 2024 में शुरू की गई 'भारतजेन' एक सरकारी परियोजना है, जिसका उद्देश्य संप्रभु एआई मॉडल विकसित करना है। इसके तहत भारतीय भाषाओं के लिए 'ऑटोमैटिक स्पीच रिकग्निशन' (एएसआर) और 'टेक्स्ट-टू-स्पीच' (टीटीएस) जैसी सेवाएं प्रदान की जाएंगी। मंत्री ने बताया कि भारतजेन पहल को 25 टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब्स (टीआईएच) के नेटवर्क के माध्यम से कार्यान्वित किया जा रहा है, जिनमें से चार को टेक्नोलॉजी ट्रांसलेशनल रिसर्च पार्क्स (टीटीआरपी) में अद्यतन किया गया है। बीजू जनता दल के सदस्य सस्मित पात्र के भारतजेन डेटा साझा करने और मूल्य निर्धारण संबंधी प्रश्न के जवाब में सिंह ने कहा कि डेटा कुछ शर्तों और नियमों के तहत साझा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारतजेन सेवा को छूट वाले मूल्य पर उपलब्ध कराने पर भी विचार चल रहा है। आप सदस्य राघव चड्ढा ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) प्रौद्योगिकी के विकास के लिए कंप्यूटेशनल आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु जीपीयू (ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट) की सुनिश्चित पहुँच के बारे में जानना चाहा। इस पर सिंह ने कहा कि एआई विकास की पूरी प्रक्रिया में जीपीयू का केंद्रीय महत्व है। उन्होंने बताया कि बड़े एआई मॉडल के लिए हजारों जीपीयू की आवश्यकता हो सकती है और कंप्यूटर तक पहुँच 'इंडियाआई' मिशन के माध्यम से दी जा रही है।

वायदा एवं विकल्प कारोबार में अधिक कर का मकसद इस पर अंकुश लगाना : विरमानी

नई दिल्ली/भाषा। नीति आयोग के सदस्य अरविंद विरमानी ने कहा है कि वायदा और विकल्प कारोबार पर कर बढ़ाने का मकसद अत्यधिक उतार-चढ़ाव वाले कारोबार पर अंकुश लगाना है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2026-27 के केंद्रीय बजट में वायदा और विकल्प (एफ एंड ओ) कारोबार पर प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) बढ़ाने का प्रस्ताव किया है। इसका मकसद छोटे निवेशकों को सट्टेबाजी के कारण होने वाले भारी नुकसान से बचाना है।

एसटीटी को वायदा अनुबंधों के लिए 0.02 प्रतिशत से बढ़ाकर 0.05 प्रतिशत और विकल्प प्रीमियम और विकल्पों के प्रयोग पर क्रमशः 0.1 प्रतिशत और 0.125 प्रतिशत से बढ़ाकर 0.15 प्रतिशत करने का प्रस्ताव है।

विरमानी ने पीटीआई वीडियो को दिए साक्षात्कार में कहा, ''कारोबार को हतोत्साहित करना ऐसी चीज है जो मेरे जैसे बाजार के जानकार को पसंद नहीं है। लेकिन जिसे हम बाधित करना कहते हैं, वह ऐसा करने का एक बेहतर तरीका है।''

भारत, अमेरिका मार्च के मध्य तक व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर कर सकते हैं : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत और अमेरिका मार्च के मध्य तक बहुप्रतीक्षित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। इसके बाद अमेरिका, भारतीय वस्तुओं पर आयात शुल्क कम कर देगा। समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद भारत भी अमेरिका से आयातित कुछ वस्तुओं पर आयात शुल्क कम करना शुरू करेगा।

मंत्री ने कहा कि दोनों देशों के द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण पर एक संयुक्त बयान को चार से पांच दिन में अंतिम रूप देने और उस पर हस्ताक्षर किए जाने की उम्मीद है, जिसके बाद अमेरिका द्वारा लगाया गया शुल्क घटकर 18 प्रतिशत हो जाएगा। दोनों देशों ने इस सप्ताह की शुरुआत में समझौते को अंतिम रूप दिया। इसके तहत अमेरिका में प्रवेश करने वाले भारतीय सामान पर शुल्क 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया जाएगा। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, ''द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) का पहला चरण लगभग तैयार है और हमें उम्मीद है कि अगले चार से पांच दिन में हम अमेरिका तथा भारत के बीच एक संयुक्त बयान को अंतिम रूप देकर उस पर हस्ताक्षर कर देंगे। इसके आधार पर इस साझेदारी का पहला चरण शुरू होगा।''

गोयल ने कहा कि औपचारिक समझौते का मसौदा तैयार किया जा रहा है जिसमें एक या डेढ़ महीने का समय लग सकता है। संभवत: औपचारिक समझौते पर मार्च के मध्य तक हस्ताक्षर हो जाएंगे।

भारतीय वस्तुओं पर कम किए गए 18 प्रतिशत शुल्क अमेरिका के एक कार्यकारी आदेश के माध्यम से लागू होंगे, जो संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर करने के एक या दो दिन बाद जारी किया जाएगा।

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ने सभी स्कूलों में छात्रों के मोबाइल इस्तेमाल पर लगाया प्रतिबंध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने राज्य के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में छात्रों के मोबाइल के इस्तेमाल पर पूरी तरह प्रतिबंध की बृहस्पतिवार को घोषणा की। यह नियम एक मार्च 2026 से प्रभावी होगा।

यह घोषणा बिलासपुर जिले के घुमारविन में आयोजित 69वें 'नेशनल स्कूल गेम्स अंडर-19 गर्ल्स हैंडबॉल टूर्नामेंट' के समापन समारोह के दौरान की गई। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार विश्व स्तरीय शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो छात्रों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनाएगी।

सुक्खू ने सख्त प्रवर्तन उपायों का विस्तार से वर्णन करते हुए कहा कि मोबाइल रखने वाले किसी भी छात्र पर 500 रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा और उपकरण को जब्त कर लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा, इसके अलावा ऐसे छात्रों के अभिभावकों को विद्यालय में अनिवार्य 'काउंसलिंग' सत्रों में भाग लेना होगा।''

बिना उचित प्रक्रिया के कैसे हासिल होगा 2047 तक विकसित भारत बनाने का लक्ष्य : आप

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में बृहस्पतिवार को आम आदमी पार्टी (आप) के सदस्य संदीप कुमार पाठक ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि 2047 तक देश को विकसित बनाने के लक्ष्य से किसी को आपत्ति नहीं होगी लेकिन इसे हासिल करने के लिए क्या उचित प्रक्रिया अपनायी गई है।

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए आप सदस्य पाठक ने कहा कि देश को विकसित बनाने के लिए केंद्र और राज्य के बीच बेहतर समन्वय और विभिन्न संस्थाओं को मजबूत बनाने की जरूरत है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र और राज्य के बीच का समन्वय खत्म हो गया है और केंद्र एक ओर राज्यों का आवंटन रोक रहा है वहीं प्रशासनिक बाधाएं भी पैदा कर रहा है।

आप सदस्य ने दावा किया कि केंद्र ने विभिन्न मदों में पंजाब को उसकी राशि आवंटित नहीं की। उन्होंने कहा कि केंद्र की जिम्मेदारी है कि वह सभी राज्यों के साथ बिना किसी भेदभाव के काम करे और राज्यों के लिए मार्गदर्शक की भूमिका निभाए। उन्होंने विभिन्न संस्थाओं को मजबूत बनाने की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि इसके लिए संस्थाओं के प्रमुखों की नियुक्ति में पारदर्शिता होनी चाहिए तभी संस्था स्वायत्त हो सकेंगी।

सदन में अप्रिय घटना की आशंका, इसलिए प्रधानमंत्री नहीं आए : ओम बिरला

●अप्रत्याशित घटना की आशंका के चलते अध्यक्ष के आग्रह पर प्रधानमंत्री सदन में नहीं आए ●विपक्ष के आचरण को लोकसभा अध्यक्ष ने संसदीय गरिमा के खिलाफ बताया ●अध्यक्ष के चैंबर में व्यवहार और पोस्टर-बैनर को काला धब्बा करार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बृहस्पतिवार को कहा कि कांग्रेस के कुछ सांसद सदन के नेता की सीट के पास पहुंचकर किसी अप्रत्याशित घटना को अंजाम दे सकते थे, इसी आशंका के चलते उनके आग्रह पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लोकसभा में उपस्थित नहीं हुए।

लोकसभा की कार्यवाही विपक्ष के हंगामे के कारण तीन बार स्थगित होने के बाद अपराह्न तीन बजे जब पुनः शुरू हुई, तब अध्यक्ष ने यह बयान दिया। उन्होंने कहा कि बुधवार को प्रधानमंत्री को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब देना था, लेकिन उन्हें ऐसी पुख्ता जानकारी मिली थी कि कांग्रेस के कई सदस्य सदन के नेता की सीट तक पहुंचकर कोई अप्रिय स्थिति पैदा कर सकते हैं।

'लोकतांत्रिक परंपराओं को ठेस पहुंच सकती थी' : बिरला ने कहा कि यदि ऐसी कोई घटना होती तो यह देश की लोकतांत्रिक परंपराओं के लिए अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण होता। अध्यक्ष के रूप में उनकी जिम्मेदारी सदन की गरिमा और परंपराओं की रक्षा करना है, इसी कारण उन्होंने प्रधानमंत्री से सदन में न आने का आग्रह किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सदन के नेता का लोकसभा में जवाब न दे पाना किसी भी स्थिति में उचित नहीं है, लेकिन उस समय स्थिति को नियंत्रित करना अधिक आवश्यक था। प्रधानमंत्री ने उनके आग्रह को स्वीकार कर लोकसभा को एक अप्रिय दृश्य से बचाया, जिसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री का आभार भी व्यक्त किया।

विपक्ष के आचरण पर कड़ी टिप्पणी : लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि देश ने बुधवार को देखा कि किस प्रकार कुछ विपक्षी सदस्य प्रधानमंत्री के आसन तक पहुंच गए, जो किसी भी तरह सदन की गरिमा के अनुकूल नहीं था। उन्होंने कहा कि आरोप और असहमति शब्दों के माध्यम से रखी जा सकती है, लेकिन इस तरह का व्यवहार अस्वीकार्य है। बिरला ने यह भी कहा कि बुधवार को कुछ विपक्षी सांसदों ने उनके चैंबर में जिस तरह का व्यवहार किया, वैसा लोकसभा के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ। उन्होंने इसे संसदीय परंपराओं पर काला धब्बा बताया और कहा कि अध्यक्ष का पद संविधान द्वारा गरिमामय बनाया गया है, जिसे राजनीतिक मतभेदों से दूर रखा जाना चाहिए। बैनर और पोस्टर दिखा रहे सांसदों पर नाराज़गी जताते हुए अध्यक्ष ने कहा कि इस तरह सदन नहीं चल सकता। इसके बाद उन्होंने लोकसभा की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी।

इस बीच, लोकसभा ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को प्रधानमंत्री के जवाब के बिना ही पारित कर दिया।

प्रधानमंत्री ने राज्यसभा में चुनावी रैली की तरह भाषण दिया, आत्ममुग्धता दिखी : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्यसभा में चुनावी रैली की तरह भाषण दिया, जिसमें उनकी आत्ममुग्धता और 'डायलॉगबाज़ी' देखने को मिली।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आज राज्यसभा में प्रधानमंत्री का एक और 97 मिनट का चुनावी रैली जैसा भाषण देखने को मिला। हमेशा की तरह यह भाषण गालियों और हमलों, तथ्यों की तोड़-मरोड़, नाटकीयता, इशारों और अपमानजनक टिप्पणियों से भरा था, और इसमें उनके हमेशा की तरह खुल्लमखुल्ला और बेशर्म झूठ भी शामिल थे।'' रमेश ने दावा किया, ''उनकी आत्ममुग्धता और डायलॉगबाज़ी के प्रति उनकी आसक्ति पूरे भाषण में साफ़ तौर पर दिखाई देती रही।'' प्रधानमंत्री मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत आज विश्व में पैदा हो रहीं चुनौतियों के समाधान के लिए आशा की किरण बना हुआ है और दुनिया एक नई वैश्विक व्यवस्था की ओर आगे बढ़ रही है।

घी में मिलावट के मामले में सीबीआई ने वाईएसआरसीपी को 'क्लीन चिट' नहीं दी : पवन कल्याण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने बृहस्पतिवार को कहा कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 'तिरुपति लड्डु' में इस्तेमाल होने वाले घी में मिलावट के कथित मामले में युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) को 'क्लीन चिट' नहीं दी है।

कल्याण ने मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के उंडावल्ली स्थित आवास पर एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आस्था एक संवेदनशील मुद्दा है और ''हमें इस बारे में बात करते समय सावधान रहना चाहिए''।

कल्याण ने कहा, ''सीबीआई ने (वाईएसआरसीपी को) क्लीन चिट नहीं दी। उन्होंने कहा कि घी वनस्पति आधारित है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब धार्मिक भावनाएं आहत हुईं तो विपक्षी पार्टी के नेताओं ने बिना सोचे-समझे बयान दिए।

अभिनेता एवं नेता कल्याण के मुताबिक, नायडू ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की एक बैठक के दौरान एनडीडीबी का एक बयान पढ़ा था, जिसमें बताया गया था कि पूर्ववर्ती वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान तिरुपति लड्डु बनाने में मछली के तेल और 'बीफ टैलो' (गोवंश चर्बी) का इस्तेमाल किया गया हो सकता है।

कल्याण ने लड्डु में मिलावट का मामला संवेदनशील बताते हुए कहा कि वे इसे लोगों को बताने को लेकर आशंकित थे, लेकिन उन्हें ऐसा करना पड़ा, क्योंकि जनता को सच बताना था। उन्होंने कहा, अगर हम जनता को नहीं बताते हैं, तो यह हमारी गलती है।''

उन्होंने यह भी कहा कि काफी सोच-विचार के बाद उन्होंने सच बताने का फैसला किया।

चाबहार परियोजना: अमेरिकी नीतियों के प्रभाव से निपटने के लिए सभी पक्षों से वार्ता जारी

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बृहस्पतिवार को संसद को बताया कि वह चाबहार परियोजना में भारत की भागीदारी पर अमेरिकी प्रतिबंधों या शुल्क नीतियों में हालिया बदलावों के प्रभावों से निपटने के लिए संबंधित सभी पक्षों के साथ बात कर रही है।

राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने सवाल किया था कि क्या उसने ऐसे प्रभावों का आकलन किया है। कांग्रेस नेता ने पिछले पांच वर्षों में भारत द्वारा ईरान में चाबहार बंदरगाह परियोजना के विकास और संचालन पर किए गए वित्तीय योगदान और व्यय के बारे में भी जानकारी मांगी। इस प्रश्न के लिखित उत्तर में विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने कहा, इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड और ईरान के पोर्ट्स एंड मेरिटाइम ऑर्गनाइजेशन के बीच 13 मई 2024 को शहीद बेहेश्ती टर्मिनल को तमाम उपकरणों और सुविधाओं से लैस करने और संचालित करने के लिए किए गए मुख्य अनुबंध के अनुसार, भारत ने उपकरणों की खरीद के वास्ते 12 करोड़ अमेरिकी डॉलर का योगदान देने की अपनी प्रतिबद्धता पूरी कर ली है।

नए आयकर अधिनियम से जुड़े फॉर्म, नियम इसी महीने होंगे अधिसूचित : सीबीडीटी प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के चेयरमैन रवि अग्रवाल ने कहा है कि आयकर अधिनियम, 2025 के अप्रैल से लागू होने से पहले फरवरी में जरूरी फॉर्म और नियम अधिसूचित किए जाएंगे। इसके साथ ही अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों की सूची भी जारी की जाएगी।

अग्रवाल ने पीटीआई-भाषा के साथ बातचीत में यह भी कहा कि एक फरवरी को पेश बजट में पेनाल्टी को शुल्क में बदलने, कार्यवाही को अतिरिक्त कर का भुगतान कर समाप्त करने की सुविधा, शेयर पुनर्खरीद के मामले में कर को युक्तिसंगत बनाने और टीसीएस (स्रोत पर कर संग्रह) में कमी जैसे उपाय करदाताओं के लिए चीजों को सुगम बनाएंगे। उन्होंने कहा, ''प्रत्यक्ष कर के मोर्चे पर जो प्रस्ताव बजट में किए गए हैं, वे वास्तव में कानून को सरल बनाने और करदाताओं के लिए इसे आसान बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का ही एक हिस्सा हैं।'' सीबीडीटी प्रमुख ने कहा, हम फरवरी में नए आयकर फॉर्म और नियम जारी कर देंगे।... नए आयकर अधिनियम, 2025 के एक अप्रैल, 2026 से लागू होने से पहले संबंधित पक्षों से इस पर सुझाव लिया जाएगा।'' अग्रवाल ने कहा कि सीबीडीटी नए कानून पर 'बार-बार पूछे जाने वाले सवाल' (एफएक्यू) और एक प्रस्तुति तैयार करने पर भी काम कर रहा है। यह नए अधिनियम के लागू होने के साथ जनता के लिए उपलब्ध होगी ताकि उन्हें चीजों को समझने में आसानी हो। उन्होंने बजट के बारे में बात करते हुए कहा, प्रत्यक्ष कर से संबंधित घोषित प्रस्तावों को 'अलग-थलग' नहीं देखा जाना चाहिए। इसे उस सरलीकरण प्रक्रिया की निरंतरता के रूप में देखा जाना चाहिए जो जुलाई 2024 से ही चल रही है। उस समय वित्त मंत्री ने घोषणा की थी कि हम आयकर अधिनियम की व्यापक समीक्षा करने जा रहे हैं।

पिछले साल जनवरी से 377 विमानों में बार-बार गड़बड़ी हुई: सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बृहस्पतिवार को लोकसभा को बताया कि जनवरी 2025 से लेकर इस साल तीन फरवरी तक विभिन्न एयरलाइन के कुल 377 विमानों में बार-बार गड़बड़ी होने का पता चला है। नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने संसद के निचले सदन को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि बार-बार होने वाली गड़बड़ी के सिलसिले में इंडिगो के 405 विमानों का विश्लेषण किया गया और इस साल तीन फरवरी तक 148 विमानों में बार-बार गड़बड़ी होने की बात सामने आई। मंत्री द्वारा लिखित जवाब में दिए गए आंकड़ों के अनुसार, विश्लेषण किए गए 166 एयर इंडिया विमानों में से 137 में, जबकि एयर इंडिया एक्सप्रेस के 101 विमानों में से 54 में बार-बार होने वाली गड़बड़ी की बात सामने आई।

विजय ने पत्रकारों पर हमले की निंदा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अभिनेता से नेता बने विजय ने तमिलनाडु के करूर में पत्रकारों पर किये गये कथित हमले की निंदा की है। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के अध्यक्ष विजय ने हाल ही में तिरुचिरापल्ली स्थित एक तमिल समाचार चैनल के पत्रकार और कैमरामैन पर हुए हमले को लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर हमला बताते हुए कहा कि यह शर्मनाक है कि दोषियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई और न ही कोई मामला दर्ज किया गया।

विजय ने बुधवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, श्रीरंगम से द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) विधायक पलानियंदी द्वारा लोकतंत्र के चौथे स्तंभ माने जाने वाले पत्रकारों पर किए गए हमले की हम कड़ी निंदा करते हैं। यह शर्मनाक है कि मुख्यमंत्री अब तक इस सिलसिले में मामला दर्ज किए बिना और कोई कार्रवाई किए बिना सिर्फ तमाशबीन बने हुए हैं।''

उन्होंने पोस्ट में कहा कि एक निर्वाचित प्रतिनिधि का सार्वजनिक रूप से इतना ''खराब'' व्यवहार करना इस बात का एक और सबूत है कि तमिलनाडु में कानून व्यवस्था बिगड़ रही है। उन्होंने मांग की कि पत्रकारों पर हमला करने के आरोपी विधायक के खिलाफ मामला दर्ज किया जाए और उनके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा, ''मैं जोर देकर कहना चाहता हूं कि प्रभावित पत्रकारों को न्याय मिले।'' उन्होंने कहा कि जनता द्रमुक को नकार देगी और आगामी विधानसभा चुनाव में सत्ता परिवर्तन सुनिश्चित करेगी।

सेशेल्स के राष्ट्रपति हर्मिनी भारत की अपनी पहली यात्रा पर चेन्नई पहुंचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारत के साथ मजबूत राजनयिक संबंधों के 50 साल पूरे होने के बीच सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी बृहस्पतिवार को भारत की अपनी पहली यात्रा पर चेन्नई पहुंचे। हवाई अड्डे पर पहुंचने पर राज्य के आदि द्रविड़ कल्याण मंत्री एम. मथिवेंधन, चेन्नई की महापौर आर. प्रिया और वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

अपनी पांच दिवसीय यात्रा के दौरान वह मुंबई में महाराष्ट्र के राज्यपाल आर एन रवि और राज्यपाल आचार्य देवव्रत से मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि वह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करेंगे और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि सेशेल्स हिंद महासागर क्षेत्र में भारत का एक महत्वपूर्ण समुद्री पड़ोसी है तथा भारत के 'विजन महासागर' और 'ग्लोबल साउथ' के प्रति प्रतिबद्धता में इसका विशेष स्थान है।

'ग्लोबल साउथ' से तात्पर्य उन देशों से है जिन्हें अक्सर विकासशील, कम विकसित अथवा अविकसित के रूप में जाना जाता है और ये मुख्य रूप से अफ्रीका, एशिया और लातिन अमेरिका में स्थित हैं।

ओडिशा में चेन्नई सेंट्रल एक्सप्रेस के तीन डिब्बे पटरी से उतरे, कोई हताहत नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भुवनेश्वर। ओडिशा के जाजपुर जिले के जाखपुरा रेलवे स्टेशन के पास बृहस्पतिवार को चेन्नई सेंट्रल एक्सप्रेस के तीन डिब्बे पटरी से उतर गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि सुबह आठ बजकर 51 मिनट पर हुई इस घटना में किसी के घायल होने या किसी की मृत्यु होने की कोई सूचना नहीं है।

रेलवे अधिकारी ने बताया कि चेन्नई से पश्चिम बंगाल के न्यू जलपाईगुड़ी जाने वाली ट्रेन का एक वातानुकूलित (एसी) और दो सामान्य श्रेणी के डिब्बे पटरी से उतर गए। उन्होंने बताया कि स्थिति का जायजा लेने और रेल मार्ग को बहाल करने के लिए भद्रक से तुरंत एक राहत एवं बचाव दल को घटनास्थल पर भेजा गया।

अधिकारी ने बताया कि प्रभावित यात्रियों के लिए उचित व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रेन के डिब्बों के पटरी से उतरने का कारण अब तक पता नहीं चल पाया है।

टीटीडी लड्डू विवाद : सुधारात्मक कदम उठाने के लिए एक सदस्यीय समिति की घोषणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने बृहस्पतिवार को तिरुपति के लड्डू में कथित मिलावटी घी के इस्तेमाल को भगवान के खिलाफ सबसे बड़ा पाप करार देते हुए विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट के बाद सुधारात्मक कदम उठाने के लिए एक सदस्यीय समिति गठित करने की घोषणा की। नायडू ने कहा कि वर्ष 2022 में, जब वाईएसआरसीपी सत्ता में थी, उस समय केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान (सीएफटीआरआई) की रिपोर्ट में भी मिलावटी घी की बात स्पष्ट रूप से सामने आई थी। मुख्यमंत्री ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वर्ष 2024 में मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) में शुद्धिकरण प्रक्रिया के तहत घी के नमूने एनडीडीबी-सीएएलएफ को भेजे गए थे जिसने साफ तौर पर कहा कि घी में पशु चर्बी की मिलावट थी।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नेता पवन कल्याण, पीवीएन माधव और अन्य संवाददाता सम्मेलन के दौरान मुख्यमंत्री के साथ मौजूद थे। उन्होंने कहा, एनडीडीबी ने साफ तौर पर बताया कि घी में पशु चर्बी की मिलावट की गई थी। मैंने वही कहा था। आज एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। घी पर एसआईटी की रिपोर्ट में कहा गया है कि इसमें पामोलीन तेल और रसायनों की मिलावट की गई थी। मुख्यमंत्री ने बताया कि एसआईटी ने कुछ लोगों के खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई करने के लिए एक रिपोर्ट प्रस्तुत की है। उन्होंने कहा, हम खामियों का

अध्ययन करने और सुधारात्मक कदम उठाने के लिए एक सदस्यीय समिति गठित करेंगे। यदि कोई अतिरिक्त जानकारी सामने आती है तो उसे अदालत में प्रस्तुत किया जाएगा। नायडू ने आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार ने कथित रूप से इस मिलावट में शामिल होकर पाप किया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पिछले शासनकाल में कई मंदिरों पर हमले हुए। नायडू ने दावा किया कि इतिहास में किसी ने भी श्री वेंकटेश्वर स्वामी को चुनौती नहीं दी थी। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों ने भी तिरुमला की परंपराओं और रीति-रिवाजों को और बेहतर बनाया था।

मुख्यमंत्री ने 'क्लीन चिट' के दावों को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि सीबीआई रिपोर्ट में कहीं भी यह प्रमाणित नहीं है कि कोई मिलावट नहीं थी और कहा कि आरोपी झूठी बातें फैला रहे हैं और ध्यान भटकाने के लिए जवाबी हमले कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि 'धमकी और गुंडागर्दी' सफल नहीं होगी और जोर देकर कहा कि दोषियों को कड़ी सजा सुनिश्चित की जाएगी। भगवान वेंकटेश्वर स्वामी को अपना कुल देवता बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि वर्ष 2003 की शुरुआत में नक्सलियों द्वारा किए गए हमले के दौरान भगवान ने ही उनकी रक्षा की थी। टीटीडी भगवान वेंकटेश्वर के उस पहाड़ी मंदिर का संरक्षक है, जहां दुनिया भर से हर साल लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं।

इस बीच, उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने कहा कि सरकार धार्मिक मुद्दों पर जिम्मेदारी और सावधानी से बात करती है। कल्याण ने कहा, अभी तक किसी भी रिपोर्ट ने 'क्लीन चिट' नहीं दी है। पशु चर्बी से जुड़े आरोप बेहद संवेदनशील हैं और उन पर हल्के में बात नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि सरकार ने एनडीडीबी की परीक्षण रिपोर्ट के आधार पर ही इस बारे में बात की है। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा हिंदू धर्म और भावनाओं से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि अगर कोई गलती हुई है तो माफी मांगने के बजाय विपक्ष सरकार पर हमला कर रहा है और झूठा प्रचार कर रहा है।

भाजपा की आंध्र प्रदेश इकाई के अध्यक्ष पीवीएन माधव ने वाईएसआरसीपी की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि तिरुमला लड्डू का मुद्दा पिछली सरकार की मिलावटी सोच और भ्रष्ट शासन को दर्शाता है।

वीबी-जी राम जी योजना को वापस लेने की मांग वाला प्रस्ताव पारित

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल विधानसभा में नयी ग्रामीण रोजगार योजना, वीबी-जी राम जी को वापस लेने और संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के समय की योजना मनरेगा को बहाल करने की मांग वाला एक प्रस्ताव बृहस्पतिवार को केरल विधानसभा में पारित किया गया।

यह प्रस्ताव राज्य के संसदीय कार्य मंत्री एम बी राजेश ने पेश किया और शबरिमला सोना गायब होने के मुद्दे पर सदन में विपक्षी दल कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के विरोध के बीच विधानसभा में पारित किया गया।

मंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के विपरीत, जहां योजना की पूरी लागत केंद्र द्वारा वहन की जाती थी, विकसित भारत-रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) के तहत राज्य को 40 प्रतिशत व्यय वहन करना होगा।

धर्मांतरण मामले में तमिलनाडु निवासी आरोपी को जमानत मिली

चेन्नई/प्रयागराज/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले में कथित गैरकानूनी धर्मांतरण के एक मामले में आरोपी तमिलनाडु निवासी देव साहयम डैनियल राज को जमानत दे दी। पुलिस के मुताबिक, डैनियल धर्मांतरण के लिए लोगों को लुभाने वाले गिरोह का सरगना था और उसने करीब 70 लोगों का धर्मांतरण कराया था। पुलिस ने बताया कि पिछले वर्ष सितंबर में जब उसे गिरफ्तार किया गया था, तब उसकी साजिश 500 लोगों का धर्मांतरण कराने की थी। न्यायमूर्ति आशुतोष श्रीवास्तव ने आरोपों की प्रकृति, धर्मांतरण के मामले में सजा की गंभीरता, सहायक साक्ष्य की प्रकृति और सबूतों के साथ छेड़छाड़ की उचित आशंका पर विचार करते हुए जमानत का यह आदेश जारी किया। डैनियल और एक सह आरोपी पारस 30 सितंबर, 2025 से जेल में बंद हैं। आरोपियों के खिलाफ उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2021 की धारा 3 और 5(1) के तहत मामला दर्ज किया गया था।

पुलिस के मुताबिक, यह गिरोह गरीब, कमजोर और आदिवासी लोगों को उपचार प्रार्थना सभाओं में बुलाकर उन्हें वित्तीय मदद की पेशकश कर उनका ईसाई धर्म में परिवर्तन किया करता था। डैनियल ने पूछताछ में बताया था कि उसे तमिलनाडु स्थित इंडियन मिशनरीज सोसाइटी द्वारा फील्ड प्रभारी के तौर पर नियुक्त किया गया था और वह जुलाई, 2025 से उस क्षेत्र में सक्रिय था। आरोपी ने यह भी दावा किया था कि उसके अधिकार क्षेत्र में कुल आठ मिशनरियां काम करती हैं, जिन्हें वह सोसाइटी वेतन, भत्ते और उपदेश के लिए धन उपलब्ध कराता है। उसने पुलिस को बताया कि ये मिशनरियां गांवों में जाया करती थीं और महिलाओं को सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण व वित्तीय मदद देने के बहाने गिरिजाघर की गतिविधियों से जोड़ती थीं और धीरे धीरे उनका धर्मांतरण किया करती थीं। डैनियल के वकीलों ने दलील दी कि उनका मुवक्किल निर्दोष है और उसे झूठे मामले में फंसाया गया है। वकीलों ने अदालत को बताया कि उक्त प्राथमिकी इंद्रासन सिंह नाम के एक व्यक्ति द्वारा दर्ज कराई गई थी जो ना तो पीड़ित व्यक्ति है और ना ही पीड़ित व्यक्ति का रिश्तेदार या करीबी परिजन इसलिए कथित प्राथमिकी के आधार पर यह मुकदमा बरकरार रहने योग्य नहीं है। उन्होंने यह दलील भी दी कि कोई भी आपत्तिजनक वस्तु बरामद नहीं हुई है। अदालत ने 28 जनवरी को आदेश में कहा कि इस मामले के गुण-दोष पर टिप्पणी किए बगैर याचिकाकर्ता की जमानत मंजूर की जाती है।

द्रमुक ने केंद्र के खिलाफ 'हलवा' अभियान शुरू किया, बजट में तमिलनाडु की अनदेखी का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने हाल में पेश केंद्रीय बजट में राज्य की कथित उपेक्षा के विरोध में केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार के खिलाफ प्रतीकात्मक रूप से 'हलवा अभियान' शुरू किया है। इस अभियान के तहत द्रमुक कार्यकर्ताओं और नेताओं ने हलवा' वितरित किया। तमिल बोलचाल में हालांकि 'हलवा' का अर्थ ठगा जाना या बेवकूफ बनाया जाना होता है।

पार्टी का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य यह उजागर करना है कि केंद्र ने राज्य की विकास आवश्यकताओं और वित्तीय जरूरतों को नजरअंदाज किया है। प्रदर्शन के तहत आयोजित एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए द्रमुक के वरिष्ठ नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत केंद्र सरकार पर तमिलनाडु के लोगों के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया। प्रदर्शन के दौरान पार्टी के एक प्रवक्ता ने कहा, केंद्रीय बजट स्पष्ट रूप से विश्वासघात है। वित्त मंत्री और प्रधानमंत्री दोनों ने आवंटन के मामले में तमिलनाडु को पूरी तरह नजरअंदाज किया है। राज्य को कुछ भी न देकर उन्होंने तमिलनाडु के सात करोड़ लोगों को 'हलवा' दिया है। द्रमुक ने आरोप लगाया कि बाढ़ राहत कोष और प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए कई बार अनुरोध किए जाने के बावजूद आम बजट में राज्य के लिए किसी भी महत्वपूर्ण योजना या वित्तीय प्रावधान की घोषणा नहीं की गई।

राजनीतिक परिणामों की चेतावनी देते हुए द्रमुक नेताओं ने कहा कि यह अनदेखी आगामी चुनावी मुकाबलों में दिखाई देगी। एक नेता ने कहा, तमिलनाडु की जनता सब देख रही है। जो भाजपा लगातार हमारे राज्य के अधिकारों और जरूरतों की अनदेखी करती रही है, वह यहां एक भी सीट नहीं जीत पाएगी।

भारतीय उच्चायोग ने श्रीलंकाई मछुआरों पर हमले के आरोपों को खारिज किया

चेन्नई/कोलंबो। कोलंबो में भारतीय उच्चायोग ने बृहस्पतिवार को भारतीय तटरक्षक बल द्वारा श्रीलंकाई मछुआरों के एक समूह पर कथित हमलों का खंडन किया। भारतीय उच्चायोग ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''हमने इसका पता लगाया है और हम इसकी पुष्टि कर सकते हैं कि भारतीय नौसेना या भारतीय तटरक्षक बल के किसी भी कर्मी ने ऐसा कोई हमला नहीं किया था।'' विज्ञप्ति में कहा गया है, ''भारत ने लगातार यह बात कही है कि मछुआरों की आजीविका संबंधी चिंताओं के लिए मानवीय दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए और किसी भी परिस्थिति में बल प्रयोग का सहारा नहीं लिया जाना चाहिए।''

श्रीलंका के मत्स्य पालन मंत्री रामलिंगम चंद्रशेखरन ने दो फरवरी को कहा था कि इस घटना को लेकर भारत सरकार के समक्ष विरोध दर्ज कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस घटना की जानकारी भारतीय उच्चायोग को दे दी गई है। उत्तर पश्चिमी तट पर स्थित वेन्नाप्पुवा के वेल्लामनकारया बंदरगाह से 29 जनवरी को तीन ट्रॉलर (मछली पकड़ने के जाल से युक्त नौका) में 12 मछुआरे मछली पकड़ने निकले थे। इन मछुआरों पर कथित तौर पर भारतीय तटरक्षक बलों ने हमला किया था।

शबरीमला सोना चोरी के मामले में उन्नीकृष्णन पोट्टी को मिली वैधानिक जमानत, रिहा हुए

कोल्लम। कोल्लम की एक अदालत ने शबरिमला में सोना चोरी होने की घटना से संबंधित एक मामले में बृहस्पतिवार को उन्नीकृष्णन पोट्टी को वैधानिक जमानत दे दी जिसके बाद उन्हें कारागार से रिहा किया गया। पोट्टी को शबरिमला सोना चोरी से संबंधित दूसरे मामले में अदालत से राहत मिली है। कोल्लम सतर्कता अदालत के न्यायाधीश मोहित सी एस ने श्रीकोविल (गर्भगृह) के दरवाजों की चौखटों से सोने की चोरी से संबंधित मामले में पोट्टी को जमानत दे दी।

पोट्टी को जमानत इसलिए दी गई क्योंकि मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने गिरफ्तारी के 90 दिनों के भीतर आरोपपत्र दाखिल नहीं किया। पोट्टी को इससे पहले द्वारपाल (संरक्षक देवता) की मूर्ति से सोने की चोरी

से संबंधित मामले में भी वैधानिक जमानत मिल चुकी है। अदालत ने जमानत देने के साथ दो लाख रुपये प्रत्येक के दो सक्षम ज़मानतदार पेश करने, पत्तनमथिट्टा जिले में प्रवेश न करने, गवाहों को प्रभावित करने या सबूतों के साथ छेड़छाड़ करने से परहेज करने और जब भी तलब किया जाए, जांच अधिकारी के समक्ष उपस्थित होने जैसी कुछ शर्तें भी लगाई गई हैं। अदालत में जमानत की औपचारिकताएं पूरी करने के बाद, पोट्टी को शाम लगभग 6.30 बजे तिरुवनंतपुरम विशेष उप कारागार से रिहा किया गया। पोट्टी के परिवार के सदस्य रिहा करते समय कारागार के समक्ष उपस्थित थे। वह अपने तिरुवनंतपुरम स्थित आवास गए हैं। वह दोनों मामलों में पहले आरोपी हैं और इस घटना के संबंध में हिरासत से रिहा होने वाले चौथे व्यक्ति हैं। इस बीच अदालत ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से पेश किए गए तंत्री (मुख्य पुजारी) कंदरारु राजीवरु की हिरासत की अवधि बढ़ा दी है। राजीवरु ने जमानत याचिका दायर की है, जिस पर नौ फरवरी को विचार किया जाएगा। इस बीच, त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड (टीडीबी) थिरुवाभरनम के पूर्व आयुक्त के.एस. बैजू ने दोनों मामलों में वैधानिक जमानत के लिए सतर्कता न्यायालय में याचिका दायर की है। उनकी जमानत याचिका पर 11 फरवरी को विचार किया जाएगा।

चेन्नई ओपन : मुकुंद, मनीष और मानस को मुख्य ड्रॉ के लिए वाइल्डकार्ड मिला

चेन्नई। भारत के शशिकुमार मुकुंद, मनीष सुरेश कुमार और मानस धामने को बृहस्पतिवार को चेन्नई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के मुख्य ड्रॉ के लिए वाइल्डकार्ड दिया गया। तमिलनाडु टेनिस संघ (टीएनटीए) एटीपी चैलेंजर 50 टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा जिसमें 14 देशों के प्रतिभागी नौ से 15 फरवरी तक हिस्सा लेंगे। ब्रिटेन के दुनिया के 178 नंबर के खिलाड़ी जे क्लार्क शीर्ष वरीय हैं। भारतीय चुनौती की अगुआई सुमित नागल करेंगे जो

विश्व रैंकिंग में 281वें स्थान पर हैं। टीएनटीए के अध्यक्ष महान टेनिस खिलाड़ी विजय अमृतराज ने कहा, एटीपी चैलेंजर जैसे अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के आयोजन से भारतीय खिलाड़ियों को विश्व मंच पर बेहतर प्रदर्शन करने में मदद मिलती है।

भ्रष्टाचार मामला : केरल सरकार का फरार पूर्व अधिकारी बेंगलूरु में गिरफ्तार

पलक्कड़। सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (वीएसीबी) ने बेंगलूरु में एक पूर्व कृषि अधिकारी को गिरफ्तार किया है। अधिकारी भ्रष्टाचार के एक मामले में अपनी सजा पूरी किए बिना फरार था। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पलक्कड़ जिले के अगाली के पूर्व कृषि अधिकारी (एओ) वेंकटेश्वर बाबू को बुधवार को पलक्कड़ वीएसीबी इकाई ने गिरफ्तार कर लिया। वीएसीबी के अनुसार, यह मामला 2006 का है जब बाबू अगाली कृषि भवन में एक अधिकारी के रूप में कार्यरत थे।

बाबू पर प्राकृतिक आपदाओं के कारण फसलों के नुकसान के लिए किसानों को मिलने वाले मुआवजे का गबन करने का आरोप था और इसके लिए उन्होंने किसानों के नाम पर जाली दस्तावेज बनाए थे। एक अधिकारी ने बताया कि जांच के बाद वीएसीबी ने त्रिशूर सतर्कता अदालत में बाबू के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था। बाद में 24 दिसंबर 2016 को त्रिशूर सतर्कता अदालत ने उन्हें दोषी पाया और विभिन्न धाराओं के तहत तीन साल के कठोर कारावास के साथ-साथ 10,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। वीएसीबी ने बताया कि बाबू ने फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी लेकिन अपील खारिज कर दी गई और उन्हें सजा काटने के लिए सतर्कता अदालत में आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया गया। हालांकि, वह अदालत में पेश नहीं हुए और छिप गए। अधिकारियों ने बताया कि विशिष्ट सूचना के आधार पर वीएसीबी की टीम ने बेंगलूरु में बाबू का पता लगाया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

तमिलनाडु हिरासत मौत मामला : परिवार ने 'झूठी' शिकायत दर्ज कराने वाली महिला की गिरफ्तारी की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवगंगा। तमिलनाडु के शिवगंगा जिले में पिछले साल कथित तौर पर यातना की वजह से पुलिस हिरासत में दम तोड़ने वाले बी. अजित कुमार की मां बी. मालती ने बृहस्पतिवार को मांग की कि उनके बेटे को चोरी के आरोपों से मुक्त किये जाने की पृष्ठभूमि में शिकायतकर्ता महिला को तत्काल गिरफ्तार किया जाना चाहिए। बी. मालती ने कहा, ''निकिता को गिरफ्तार किया जाना चाहिए। हमें यह जानने की जरूरत है कि उसे ऐसा करने के लिए किसने कहा और उसने झूठी शिकायत क्यों दर्ज कराई। इसलिए, निकिता को पहले गिरफ्तार किया जाना चाहिए। उन पांचों (पुलिसकर्मियों) को कभी जेल से बाहर नहीं आना चाहिए।''

मदुरै के तिरुमंगलम की निवासी निकिता 27 जून 2025 को अपनी बुजुर्ग मां के साथ मदपुरम के एक मंदिर में दर्शन करने गई थीं। जानकारी के मुताबिक निकिता ने मंदिर के अस्थायी सुरक्षा गार्ड अजित कुमार से अपनी गाड़ी पार्क करने का अनुरोध किया, क्योंकि उनकी मां को चलने में कठिनाई हो रही थी। उसी दिन बाद में निकिता ने तिरुभुवनम पुलिस थाना में शिकायत दर्ज कराई कि उनकी कार में रखे एक बैग से 10 सावरन (सॉवरेन) (लगभग 80 ग्राम) के स्वर्णाभूषण गायब हो गए हैं। इसके बाद, पुलिस ने अजित कुमार को हिरासत में ले लिया था।

'एक सावरन' भारत, विशेष रूप से दक्षिणी क्षेत्रों में, सोने के भार की एक व्यापक मान्यता प्राप्त इकाई है। सावरन' शब्द सोने का एक निश्चित वजन दर्शाता है, जो करीब आठ ग्राम के बराबर होता है। कथित तौर पर पुलिस द्वारा यातना दिये जाने से अजित की बाद में मौत हो गई थी। इस मामले की जांच कर रही सीबीआई (केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो) ने चार फरवरी को मद्रास उच्च न्यायालय को सूचित किया कि चोरी के आरोप का सामना कर रहा अजित निर्दोष था। मालती ने बृहस्पतिवार को आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सीबीआई के निष्कर्षों का स्वागत किया।

उन्होंने कहा, ''न्यायाधीशों ने अब स्पष्ट कर दिया है कि मेरा बेटा चोर नहीं था। इससे कुछ शांति मिली है, लेकिन उसे खोने का दर्द अब भी कम नहीं हुआ है। मैं जानना चाहती हूं कि जब पुलिस उसे पूर्वाह्न 11 बजे अपने साथ ले गई थी, तब मुझे सूचित क्यों नहीं किया गया। उन्होंने उसे अपराह्न दो बजे तक बिना हमें कुछ बताए अपने पास रखा।'' मालती ने अदालत की टिप्पणियों पर राहत व्यक्त किया, लेकिन पूरी घटना का ब्योरा देते हुए वह भावुक हो गईं। उन्होंने पुलिस पर बेटे को क्रूर यातना देने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि उसके साथ ''आतंकवादी की तरह'' व्यवहार किया गया।

मालती ने कहा, ''उन्होंने उसे पेड़ से लटकाकर यातनाएं दीं। उन्होंने मिर्च पाउडर का भी इस्तेमाल किया। क्या कोई ऐसा कानून है जो कहता है कि किसी को पानी तक नहीं देना चाहिए? मेरा बेटा इन लोगों की वजह से दर्दनाक मौत मरा।'' परिवार का पक्ष अदालत में रख रहे वकील ने मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ की कार्यवाही की जानकारी देते हुए कहा कि न्यायमूर्ति श्रीमती ने सीबीआई को 17 फरवरी तक यथास्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में इस बात के विस्तृत ब्योरे की उम्मीद है कि क्या चोरी हुई भी थी, पुलिस की संलिप्तता किस हद तक थी और उच्च पदस्थ अधिकारियों की भूमिका क्या थी।

अधिवक्ता ने बताया, ''सीबीआई ने 90 पन्नों का आरोप-पत्र तैयार किया है, जिससे यह पुष्टि होती है कि अजित कुमार ने गहनों की चोरी नहीं की थी। एजेंसी जल्द ही इसे अदालत में दाखिल करने वाली है। छह महीने तक यह परिवार चोर होने के कलंक के साये में रहा; आज उन्हें न्याय मिला है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि शिकायत पूर्व नियोजित ''मनगढ़ंत कहानी'' थी, जिसका उद्देश्य आभूषणों की उगाही करना था।

संवाददाता सम्मेलन में उन चार युवकों- नवीन कुमार, प्रवीण कुमार, अरुण और विनोद को इस मामले में हुई परेशानी को भी रेखांकित किया गया, जिन्हें कथित तौर पर अजित के साथ हिरासत में लिया गया था और उनके साथ भी मारपीट की गई थी। अधिवक्ता ने बताया कि सामाजिक कलंक के कारण ऑटो चालक अरुण की आजीविका छिन गई है, जबकि पूछताछ के दौरान प्रवीण का कान का पर्दा फट गया। फिलहाल, इस मामले में चालक समेत छह पुलिसकर्मियों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जा रही है।

प्रदेश के विभिन्न जिलों से 17 लोग लापता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस सीकर, झुंझुनू, दौसा, जालोर, सिरोही और भरतपुर जिलों से लापता हुए सात नाबालिग सहित 17 लोगों की तलाश में जुटी है। पुलिस मुख्यालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी। विज्ञप्ति के अनुसार, सीकर जिले के अजीतगढ़ थाना क्षेत्र से दिवराला निवासी विष्णु सिंह (15), थोई क्षेत्र से पूजा बलाई (17), झुंझुनूं जिले के बबाई निवासी अमर सिंह (65), जालोर जिला से सम्पी कुमारी (19), सिरोही जिले से लक्ष्मी (16), भरतपुर जिले से मनीष कुमार (26), रूपवास क्षेत्र से सुहाना खान (19), रूदावल क्षेत्र से हेम सिंह गुर्जर (60), गुमशुदा है।

विज्ञप्ति में बताया गया कि वहीं मथुरागेट क्षेत्र से गोविन्दा कश्यप (32) व रामकिशन जाटव (51), लखनपुर क्षेत्र से नागेश कुमार जाटव (16), रूदावल क्षेत्र से पुष्पेन्द्र सिंह प्रजापति (31) व जितेन्द्र (27), कोतवाली क्षेत्र से अंशु शर्मा (16), दौसा जिले से सन्जू बैरवा (16), जडाव फाटक निवासी साक्षी (12) और बांदीकुई क्षेत्र से कुलदीप सैनी (20) की तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार, अगर किसी भी व्यक्ति के बारे में आमजन को कोई जानकारी मिलती है तो वह तुरंत नजदीकी थाने या संबंधित अधिकारियों को सूचित करें ताकि गुमशुदा लोगों को उनके परिजनों से जल्द मिलाया जा सके।

राजस्थान का पत्थर हमारी विरासत भी है और भविष्य भी : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर के जयपुर एग्ज़ीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर , सीतापुरा स्थित मुग्धा कन्वेंशन हॉल में आयोजित भव्य समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इंडिया स्टोनमार्ट 2026 का विधिवत उद्घाटन किया। इसके साथ ही 5 से 8 फरवरी तक चलने वाले चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय स्टोन उद्योग आयोजन का औपचारिक शुभारंभ हुआ। उद्घाटन समारोह में माननीय उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, राजस्थान के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव उद्योग श्री शिखर अग्रवाल, प्रमुख सचिव खान विभाग टी. रविकांत, रीको (ठखखउज) के कार्यकारी निदेशक डॉ. आकाश तोमर, लघु उद्योग भारती के संगठन मंत्री प्रकाश चंद्र, आर.के. मार्बल के अध्यक्ष अशोक पाटनी, प्रसिद्ध मूर्तिकार अरुण योगीराज, तथा इंडिया स्टोनमार्ट 2026 के संयोजक नटवरलाल अजमेरा और सीडॉस के उपाध्यक्ष दीपक अजमेरा सहित देश-विदेश से आए अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा: आयोजन केवल व्यापार नहीं, संस्कृति और उद्योग का संगम

उद्घाटन के बाद अपने संबोधन में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि इंडिया स्टोनमार्ट केवल व्यापारिक आयोजन नहीं है, बल्कि भारतीय संस्कृति, शिल्प परंपरा और औद्योगिक शक्ति का साझा मंच है। उन्होंने मंचासीन उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, संगठन मंत्री श्री प्रकाश चंद, लघु उद्योग भारती के पदाधिकारी, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों, व्यापारियों और श्रमिकों का अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज दुनिया भारत को निवेश और बाज़ार के रूप में देख रही है, और संगमरमर व सैंडस्टोन जैसे प्राकृतिक संसाधन निवेश के लिए उभरते हुए क्षेत्र हैं। उन्होंने बताया कि राजस्थान में 85 प्रकार के खनिज पाए जाते हैं और लगभग हर जिले की अपनी विशिष्ट स्टोन पहचान है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति भवन, संसद भवन और सुप्रीम कोर्ट जैसे प्रतिष्ठित भवनों में राजस्थान के पत्थर का उपयोग हुआ है। राजस्थान के पत्थर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि एक बार सही निर्माण हो जाए तो मेंटेनेंस बेहद कम होता है। मुख्यमंत्री ने वन डिस्ट्रिक्टवन प्रोडक्ट और वन डिस्ट्रिक्टवन स्टोन के विज़न को साझा करते हुए चड्ढए, छोटे और मध्यम उद्योगों को विशेष प्रोत्साहन देने की बात कही। उन्होंने श्रमिकों के सम्मान, उचित मजदूरी, सुरक्षा और स्किल एन्हांसमेंट कार्यक्रमों को सरकार की प्राथमिकता बताया। उन्होंने उद्योग जगत से आह्वान किया कि वे टीम बनाकर आगे बढ़ें, आधुनिक तकनीक अपनाएँ और राजस्थान के पत्थर को वैश्विक बाज़ार तक पहुँचाएँ। सरकार आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है, ऐसा उन्होंने स्पष्ट किया।

इसके पश्चात राजस्थान सरकार के माननीय उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने अपने संबोधन में देश-विदेश से आए सभी अतिथियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, स्टोन इंडस्ट्री लीडर्स, मीडिया प्रतिनिधियों और आयोजन से जुड़े सभी सहयोगियों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान ऐसा प्रदेश है जहाँ इतिहास लिखने की ज़रूरत नहीं पड़ती, यहाँ पत्थर खुद बोलते हैं। वर्ष 2007 में शुरू हुआ इंडिया स्टोनमार्ट आज अपने 13वें संस्करण में पहुँच चुका है और अब यह एक वैश्विक मंच बन गया है।

उन्होंने बताया कि इस बार स्टोनमार्ट में ईरान, इटली, तुर्की और चीन से 66 अंतरराष्ट्रीय कंपनियाँ भाग ले रही हैं, जो आयोजन की ग्लोबल पहचान को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार स्टोन इंडस्ट्री को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और सरकार में फाइलें दौड़ती हैं, उद्यमी नहीं।

इंडिया स्टोनमार्ट 2026 के अंतर्गत ग्रामीण गैर-कृषि विकास अभिकरण (ठणऊ-) द्वारा आयोजित शिल्पग्राम भी आयोजन का एक प्रमुख आकर्षण रहा। शिल्पग्राम में राजस्थान के विभिन्न जिलों से आए शिल्पकारों और कारीगरों ने अपनी पारंपरिक कला, हस्तशिल्प और निर्माण तकनीकों का जीवंत प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री एवं अन्य अतिथियों ने शिल्पग्राम का अवलोकन करते हुए इस पहल की सराहना की और इसे ग्रामीण गैर-कृषि आजीविका, स्वरोजगार और कौशल विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। इंडिया स्टोनमार्ट 2026 में इ2इ मीटिंग्स, उद्योग संवाद, निर्यात-निवेश चर्चा और नेटवर्किंग सेशन आयोजित किए जा रहे हैं। देश-विदेश से आए खरीदार, आर्किटेक्ट्स, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स और स्टोन इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स ने प्रदर्शनी में विशेष रुचि दिखाई। यह आयोजन अब तक के सबसे बड़े क्षेत्रफल में आयोजित किया गया है, जहाँ स्टोन, मशीनरी, नई तकनीक, डिजाइन और वैल्यू-एडिशन से जुड़े स्टॉल्स लगाए गए हैं। इंडिया स्टोनमार्ट 2026 का पहला दिन अत्यंत सफल और उत्साहपूर्ण रहा।

निलंबित व्याख्याता ने ट्रेन के आगे कूदकर की आत्महत्या

जयपुर। जयपुर में एक निलंबित व्याख्याता ने चलती ट्रेन के आगे कूदकर कथित रूप से आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना बुधवार शाम महेश नगर क्षेत्र में अर्जुन नगर रेलवे अंडरपास के निकट की है। उसने बताया कि जालोर जिले के सांचौर निवासी मनोहर लाल भादू (35) ने यह कदम उठाने से पहले अपने दोस्तों को मोबाइल फोन पर सुसाइड नोट भेजा था, जिसे बाद में सोशल मीडिया पर साझा किया। अधिकारियों के अनुसार, भादू को एक सरकारी कॉलेज से निलंबित किया गया था। विशेष अभियान समूह (एसओजी) भर्ती घोटाले में उनकी कथित भूमिका की जांच कर रहा है। पुलिस ने बताया कि भादू महेश नगर में किराए के मकान में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे थे। उसने बताया कि पुलिस घटना के हालातों की जांच कर रही है। भादू के परिवार में उनकी पत्नी और तीन बच्चे हैं, जो जालोर में रहते हैं।

डिजिटल युग में कार्मिकों का नवीनतम तकनीकों से लैस होना बेहद जरूरी : आशीष मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव आशीष मोदी ने कहा कि आज के डिजिटल युग में कार्मिकों का नवीनतम तकनीकों से लैस होना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि बदलते दौर में एआई की मदद से न केवल राजकीय कार्यों में गति लाई जा सकती है, बल्कि इसके उपयोग से पारदर्शिता और सटीकता भी बढ़ती है।

मोदी मुख्यालय के अंबेडकर भवन में स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित 'मास्टरिंग प्रोफेशनल्स एटिकेट्स विद एआई' कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। यह कार्यशाला विभागीय अधिकारियों के कार्य कुशलता, प्रोफेशनल कम्युनिकेशन एवं तकनीकी ज्ञान को बेहतर बनाने के लिए आयोजित की गई थी। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय से राजकीय कार्यों में तकनीकी उपयोग बढ़ने से आमजन को सहूलियत मिली है।

कार्यशाला की मेंटर श्रीमती मनीषा पांडे ने कहा कि कार्यस्थल पर प्रभावी व्यक्तित्व, प्रोफेशनल व्यवहार और तकनीकी समझ का संतुलन किसी भी कार्मिक की कार्यकुशलता का मूल आधार होता है। उन्होंने बताया कि सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास, समय प्रबंधन, शालीन संवाद, टीमवर्क और नेतृत्व क्षमता जैसे गुणों के साथ यदि एआई जैसे आधुनिक उपकरणों का विवेकपूर्ण उपयोग किया जाए, तो कार्य निष्पादन और निर्णय प्रक्रिया दोनों अधिक प्रभावी बनती हैं।

इस दौरान हैंड्स-ऑन सेशन के माध्यम से व्यावहारिक उदाहरण प्रस्तुत किए गए तथा प्रश्न-उत्तर सत्र में कार्मिकों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। कार्यशाला में अतिरिक्त निदेशक अशोक जांगिड़ सहित संबंधित शाखाओं के अधिकारी एवं अन्य कार्मिक उपस्थित रहे।

सीकर अरबन को-ऑपरेटिव बैंक को आरबीआई से नियमित परिचालन की अनुमति

वर्षों बाद हजारों जमाकर्ताओं को मिली बड़ी राहत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सीकर। सीकर अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, सीकर के जमाकर्ताओं के लिए लंबे इंतजार के बाद राहत की खबर सामने आई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंक पर 9 नवंबर 2018 से लगाए गए परिचालन प्रतिबंधों को हटाते हुए बैंक को पुनः नियमित दैनिक बैंकिंग कार्य एवं लेनदेन की अनुमति प्रदान कर दी है। बैंक अध्यक्ष डॉ. प्रदीप जोशी ने प्रेस वार्ता में बताया कि यह सफलता बैंक संचालक मंडल के निरंतर प्रयासों, जमाकर्ताओं के धैर्य तथा बैंक के प्रति उनके विश्वास का प्रतिफल है। आरबीआई ने बैंक की सुधरी हुई वित्तीय स्थिति और प्रबंधन व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया है।

डॉ.जोशी ने जानकारी दी कि प्रतिबंध अवधि के दौरान बैंक द्वारा लगभग 11 करोड़ 40 लाख रुपये की डूबत राशि की सफल वसूली की गई। वहीं, जमाकर्ताओं को क्लेम राशि के रूप में 18 करोड़ 24 लाख रुपये का भुगतान किया गया।इसके अतिरिक्त, विशेष कठिनाई के मामलों में लगभग एक करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि भी जमाकर्ताओं को प्रदान की गई। उन्होंने कहा कि भविष्य में जमाकर्ताओं के सहयोग से बैंक को सहकारी बैंकिंग क्षेत्र में सुदृढ़, पारदर्शी और प्रगतिशील संस्था के रूप में विकसित किया जाएगा। इस अवसर पर उन्होंने भारतीय रिजर्व बैंक, राजस्थान सहकार विभाग, बैंक के जमाकर्ताओं तथा शेयरधारकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में बैंक उपाध्यक्ष सांवरमल सैनी, संचालक सुभाष बहड़, श्रवण मीणा, सलीमुद्दीन, मालचंद मोदी, ईश्वर लाल सैनी, रोहित सैनी, आलोक कुमार शर्मा सहित बड़ी संख्या में जमाकर्ता एवं शेयरधारक उपस्थित रहे।

चलती ट्रेन पर बोतल फेंकी, युवती घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के उदयपुर में बृहस्पतिवार सुबह उदयपुर-अजमेर एक्सप्रेस ट्रेन पर किसी अज्ञात व्यक्ति ने बोतल फेंकी, जिससे एक युवती घायल हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, टूटी बोतल का टुकड़ा युवती के चेहरे पर लगा, जिससे उसे गंभीर चोट आई।

इस घटना से यात्रियों में दहशत फैल गई और ट्रेन को कुछ देर के लिए रोक दिया गया। पुलिस ने बताया कि यह घटना ट्रेन के राणा प्रताप नगर रेलवे स्टेशन से रवाना होने के कुछ ही समय बाद देबारी इलाके में मेघवालों की घाटी गांव के पास हुई।

पुलिस के अनुसार, युवती अपनी बहन के साथ यात्रा कर रही थी और चोट लगने के बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। पुलिस ने बताया कि राजकीय रेलवे पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और हमलावर की पहचान करने व हमले के पीछे के मकसद का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार, महिला की सीट के पास कांच के टुकड़े मिले हैं और मामले की जांच की जा रही है।

पुस्तकें सभ्यता और संस्कृति की उन्नति का सबसे बड़ा मार्ग : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि पुस्तकें सभ्यता और संस्कृति की उन्नति का सबसे बड़ा मार्ग है। उन्होंने कहा कि आज भारतीय ज्ञान परम्परा से जुड़ी पुस्तकें केवल छपी हुई सामग्री रूप में ही नहीं डिजिटल माध्यमों में देश या समाज की सामूहिक चेतना और प्रतिभा का प्रतिबिम्ब बनती जा रही है। उन्होंने युगानुरूप प्राचीन पुस्तकों और पांडुलिपियों के संरक्षण के लिए वृहद स्तर पर कार्य किए जाने का आह्वान किया।

राज्यपाल बागड़े गुरुवार को आगरा में केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा और भारतीय पुस्तकालय संघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में पुस्तकालय सेवाओं का रूपान्तरण' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर केंद्रीय हिंदी संस्थान ज्ञानकोश का ऑनलाइन शुभारंभ किया। उन्होंने भारत से जुड़ी ज्ञान विरासत की चर्चा करते हुए कहा कि विदेशी आक्रान्ताओं ने हमारे समृद्ध पुस्तकालयों को नष्ट करने की सुनियोजित सोच से कार्य किया। बारहवी शताब्दी में बख्तियार खिलजी ने नालंदा विश्वविद्यालय के पुस्तकालय को इसलिए जला दिया कि भारत के समृद्ध ज्ञान को नष्ट किया जा सके।

राज्यपाल ने कहा कि दुर्लभ पांडुलिपियों और पुस्तकों के गायब होने की घटनाएं यह बताती है कि कैसे ज्ञान और बौद्धिक विरासत को नष्ट करने के प्रयास किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि भारत ही वह देश रहा है जहां पर विश्व का सबसे पहला और प्राचीनतम ग्रंथ ऋग्वेद लिखा गया। आज भी पूरा विश्व यह मानता है कि प्रथम उपलब्ध ग्रंथ यही था। अनेक ऋषियों ने इस वेद को कंठ दर कंठ आगे की पीढ़ी को सुनाकर सहेजा और बाद में इसे लिपिबद्ध किया गया।

राज्यपाल ने कहा कि यह बहुत अच्छी बात है कि अब इस तरह तकनीक का विकास हो गया है कि हमेशा हमेशा के लिए पुस्तकों को सुरक्षित करने की दिशा में कार्य हो सके। उन्होंने देश में राष्ट्रपति द्वारा 'वन नेशन, वन डिजिटल लाइब्रेरी' की सोच को ऐतिहासिक बताते हुए भारतीय प्राचीन ग्रंथों के अनुवाद की संस्कृति पर भी कार्य किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक विरासत, पांडुलिपियों और महत्वपूर्ण पुस्तकों को संरक्षित करने के लिए पठनीय भाषाओं में अधिक से अधिक अनुवाद किया जाए।

राज्यपाल ने कहा कि हमारी शिक्षा परम्परा को ब्रिटिश सरकार ने रोजगार से जोड़ दिया। पुस्तकें पढ़कर पास होने की यह प्रवृति पुस्तकों को रटने से जुड़ गई। इससे बौद्धिक क्षमता का बहुत नुकसान हुआ। जबकि भारत ज्ञान की समृद्ध उस पुस्तक परम्परा से आरंभ से जुड़ा रहा है जहां पुस्तकों का अध्ययन रटना नहीं होता था बल्कि उससे अपने आपको विकसित करना होता था। इसीलिए हमारे यहां पुस्तकों से विचार संस्कृति का विकास हुआ।

शादी के तीन महीने बाद ही पत्नी ने पति की हत्या करवाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में शादी के तीन महीने बाद ही पति की हत्या की साजिश रचने के आरोप में पत्नी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि हत्या के इस मामले में आरोपी महिला के साथ-साथ उसके कथित प्रेमी और दो अन्य युवकों को भी गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, शुरू में यह लूट और हत्या का मामला लग रहा था लेकिन जांच में पता चला कि पत्नी ने ही हत्या की साजिश रची थी। जिला पुलिस अधीक्षक अमृता दुहान ने बताया कि आरोपियों की पहचान अंजलि (23), प्रेमी संजय (25), उसके दोस्त रोहित (20) और सिद्धार्थ (20) के रूप में हुई तथा सभी को मंगलवार को गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने बताया कि घटना 30 जनवरी की रात को उस समय हुई, जब केएलएम गांव का रहने वाला आशीष कुमार (27) अपनी पत्नी अंजलि के साथ खाना खाने के बाद टहलने निकला था। अधिकारी ने बताया कि गांव के पास एक सुनसान सड़क पर कुछ लोगों ने आशीष पर लाठियों से हमला कर दिया और बाद में उसका गला घोंट दिया।

उन्होंने बताया कि अंजलि और संजय के बीच छह-सात साल से प्रेम संबंध थे। अधिकारी ने बताया कि आशीष और अंजलि की शादी पिछले साल 30 अक्टूबर को हुई थी हालांकि युवती के परिवार को उसके प्रेम प्रसंग की जानकारी थी। पुलिस के अनुसार, हत्या से लगभग 16 दिन पहले अंजलि अपने मायके सादुलशहर आई, जहां उसने और संजय ने आशीष की हत्या की कथित तौर पर साजिश रची।

क्षेत्राधिकारी प्रशांत कौशिक ने बताया, घटना की रात भोजन के बाद अंजलि, आशीष के साथ टहलने निकली। उसने संजय को इसकी सूचना दी, जो अपने साथियों के साथ आया और पास की झाड़ियों में छिप गया। सुनसान जगह पर तीनों ने आशीष पर लाठियों से हमला कर दिया, जिससे वह बेहोश हो गया और फिर उसका गला घोंट दिया गया। उन्होंने बताया, अपराध को लूट की घटना दिखाने के लिए अंजलि ने आशीष का मोबाइल फोन और अपनी बालियां आरोपी को दे दीं।

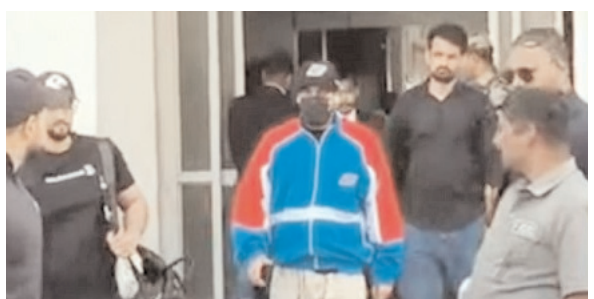

जोधपुर पहुंचे रैपर बादशाह

जोधपुर। बॉलीवुड के चर्चित सिंगर और रैपर बादशाह आज इंडिगो की मुंबई फ्लाइट से जोधपुर एयरपोर्ट पहुंचे। एयरपोर्ट पर उनके आगमन की खबर मिलते ही प्रशंसकों में उत्साह देखा गया। सुरक्षा घेरे के बीच बादशाह एयरपोर्ट से सीधे होटल के लिए रवाना हुए। बादशाह आज जोधपुर के ऐतिहासिक बालसमंद लेक पैलेस में आयोजित होने वाले एक भव्य शादी समारोह में शामिल होंगे। वे यहाँ आयोजित संगीत प्रोग्राम में अपनी शानदार प्रस्तुति देंगे। उम्मीद है कि वे 'जुगनू', 'काला चश्मा' और 'पानी-पानी' जैसे अपने सुपरहिट गानों से मेहमानों को थिरकने पर मजबूर कर देंगे।

जोधपुर अपनी शाही शादियों के लिए दुनिया भर में मशहूर है और बादशाह जैसे बड़े सितारों की मौजूदगी इस आयोजन को और भी यादगार बनाने वाली है।

जोधपुर एम्स में कर्मचारी की मौत पर परिजनों का हंगामा

जोधपुर। जोधपुर एम्स अस्पताल में कार्यरत बागवान मांगीलाल बिश्नोई की आकस्मिक मौत के बाद परिजनों ने गहरा आक्रोश व्यक्त किया है। परिजनों ने शव को उठाने से साफ इनकार कर दिया है और अस्पताल परिसर में ही धरने पर बैठ गए हैं। प्रमुख घटनाक्रम और परिजनों की मांगें धरना प्रदर्शन: मांगीलाल बिश्नोई के परिजनों और समर्थकों ने एम्स परिसर में धरना शुरू कर दिया है। उनका कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं की जातीं, वे शव को वहां से नहीं हटाएंगे। परिजनों ने एम्स अस्पताल के एडमिनिस्ट्रेशन (प्रशासन) पर लापरवाही और अन्य गंभीर आरोप लगाए हैं।

1 लाख रुपये की रिश्वत लेते ग्राम पंचायत प्रशासक गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) जयपुर ग्रामीण की टीम ने डीडवाना-कुचामन जिले की ग्राम पंचायत बाजवास (पंचायत समिति परबतसर) के प्रशासक (सरपंच) राजेन्द्र प्रसाद मोयल को 1,00,000 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एसीबी के महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने बताया कि परिवादी को वर्ष 2024-25 के दौरान ग्राम पंचायत बाजवास में सामग्री सप्लाई का टेंडर मिला था। टेंडर की अवधि समाप्त होने के बाद परिवादी की 2,00,000 रुपये की धरोहर राशि पंचायत में जमा थी। रिश्वत की मांग : परिवादी अपनी जमा राशि वापस पाने के लिए लगातार चक्कर काट रहा था, लेकिन आरोपी सरपंच राशि नहीं लौटा रहा था। परिवादी ने जब 'राज संपर्क पोर्टल' पर शिकायत दर्ज कराई, तो उसे 27 जनवरी 2026 को कार्य की राशि तो मिल गई, लेकिन आरोपी सरपंच ने कमीशन के तौर पर 1,00,000 रुपये की मांग जारी रखी।

परिवादी की शिकायत का सत्यापन होने के बाद एसीबी की जयपुर ग्रामीण इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुनील सियाग के नेतृत्व में जाल बिछाया गया।

रंगीन कोरियन दुनिया के प्रति लगाव और घरेलू तनाव

गाजियाबाद की बहनों की डायरी में दर्ज दास्तां

- नौ पन्नों की डायरी में सामने आई तीन नाबालिग बहनों की मानसिक पीड़ा
- कोरियन संस्कृति के प्रति गहरा लगाव और पारिवारिक असहमति
- आर्थिक संकट और घरेलू तनाव की पृष्ठभूमि
- सजा और दबाव का उल्लेख, पिता से माफी के साथ दर्दनाक अंत
- 'टास्क-बेस्ड' गेम/ऐप एंगल की जांच, अब तक कोई ठोस सबूत नहीं

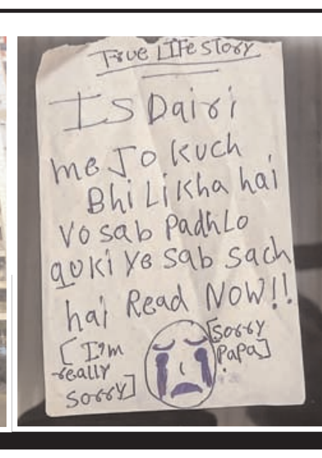

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गाजियाबाद (उप्र)/भाषा। गाजियाबाद में आत्महत्या करने वाली तीन नाबालिग बहनों के कमरे से मिली नौ पन्नों की एक छोटी-सी डायरी चीख-चीखकर उनकी खामोश तकलीफ बयां कर रही है। रंगीन कोरियाई दुनिया के सपनों, पसंदीदा कलाकारों और कल्पनाओं में खोकर लिखे गए ये पन्ने घर के भीतर पल रहे उस तनाव और मानसिक पीड़ा की कहानी भी कहते हैं जिसने अंततः तीनों को यह भयावह कदम उठाने पर मजबूर कर दिया।

अधिकारियों के अनुसार, तीन बहनों निशिका (16), प्राची (14) और पाखी (12) ने मंगलवार देर रात टीला मोड़ थाना क्षेत्र स्थित भारत सिटी सोसाइटी की नौवीं मंजिल से कूदकर जान दे दी। पुलिस के अनुसार, डायरी के पन्नों में बार-बार कोरिया के लिए तीनों बहनों के गहरे लगाव का जिक्र है और उनमें लिखे संदेश से साफ झलकता है कि परिवार की ओर से उन्हें उनकी ख्याली दुनिया, उन पसंदों और उस पहचान को छोड़ देने के लिए मजबूर किया जा रहा था, जिनसे वे दिल से जुड़ी हुई थीं। डायरी में लिखा है, ''हमें कोरियन बहुत पसंद है। प्यार, प्यार, प्यार।'' इसे ही अपनी ''असल जिंदगी की कहानी'' बताते हुए लिखा गया है कि जो कुछ इन पन्नों में दर्ज है, उस पर भरोसा किया जाए।

डायरी में यह आरोप भी लगाया गया है कि माता-पिता उनकी पसंद और भविष्य के फैसलों, यहां तक कि शादी को लेकर भी उनके खिलाफ थे। एक पन्ने पर लिखा है, आपने (माता-पिता) हमें कोरियन छोड़ने के लिए मजबूर करने की कोशिश की। कोरियन ही हमारी जिंदगी थी आप हमारी शादी किसी भारतीय से करवाना चाहते थे, लेकिन ऐसा कभी नहीं हो सकता। इसमें सजा दिए जाने का जिक्र भी किया गया है और अंत बेहद दर्दनाक शब्दों के साथ होता है। बहनों ने अपने पिता से माफी मांगते हुए लिखा, आपकी मार से हमारे लिए मौत बेहतर है। इसी वजह से हम आत्महत्या कर रहे हैं सॉरी पापा। पुलिस उपायुक्त (ट्रांस-हिंडन) निमिष पाटिल ने कहा, पॉकेट डायरी को कब्जे में ले लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा, डायरी किन हालात में लिखी गई, इसे लेकर सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। नाम न उजागर करने की शर्त पर 'रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन' के एक पदाधिकारी ने बताया कि लड़कियों के पिता चेतन शेयर बाजार में भारी नुकसान होने के बाद गंभीर आर्थिक तनाव में थे। उन्होंने बताया कि चेतन को कथित तौर पर दो करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हुआ था और एक समय बिजली का बिल चुकाने के लिए उन्हें अपना मोबाइल फोन तक बेचना पड़ा। उन्होंने कहा कि आर्थिक तंगी के कारण घर में अक्सर झगड़े होते रहते थे।

पाटिल ने कहा कि जांच के तहत पुलिस परिवार की आर्थिक स्थिति की भी पड़ताल कर रही है। पोस्टमार्टम के बाद, बुधवार शाम को दिल्ली में यमुना नदी के किनारे निगम बोध घाट पर तीनों लड़कियों का अंतिम संस्कार किया गया। शालीमार गार्डन के अपर पुलिस आयुक्त अतुल कुमार सिंह ने बताया कि अंतिम संस्कार से जुड़े क्रियाक्रम उनके पिता ने किए। उन्होंने कहा, ''यह पता नहीं चला है कि लड़कियों का अंतिम संस्कार रात को क्यों किया गया। यह उनके निजी कारणों से हो सकता है।'' उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पुष्टि हुई है कि लड़कियों की मौत सिर पर चोट लगने से हुई थी। पुलिस उपायुक्त निमिश पाटिल ने कहा कि फिलहाल इसे ''आत्महत्या का मामला'' मान रहे हैं। उन्होंने कहा, ''हमारी जांच मुख्य रूप से इस बात पर ध्यान केंद्रित रहेगी कि पिता के दावे के अनुसार क्या लड़कियां सच में 'टास्क बेस्ड' गेम का इस्तेमाल कर रही थीं और क्या इसी वजह से उन्होंने आत्महत्या की।'' पुलिस उपायुक्त ने कहा कि अभी तक पुलिस के पास ऐसा कोई सबूत नहीं है जिससे यह साबित हो सके कि लड़कियां सच में किसी कोरियन 'टास्क-बेस्ड' गेम का इस्तेमाल कर रही थीं। उन्होंने कहा, ''इसलिए हम माता-पिता से गेम के बारे में पूछताछ करेंगे।''

ओडिशा पुलिस ने कोरापुट जिले को 'नक्सल-मुक्त' घोषित किया

भुवनेश्वर/कोरापुट/भाषा। प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की एक एरिया कमेटी की सदस्य के आत्मसमर्पण किए जाने बाद ओडिशा पुलिस ने बृहस्पतिवार को कोरापुट जिले को 'नक्सल-मुक्त' घोषित कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाली कार्यकर्ता की पहचान ममता पोडियामी (26) के रूप में हुई है जिसे मामिता और सोनी के नाम से भी जाना जाता है। वह छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले की निवासी है और उस पर 5.5 लाख रुपए का इनाम था। पुलिस उप महानिरीक्षक (दक्षिण-पश्चिमी रेंज) कंवर विशाल सिंह ने बताया कि महिला ने आत्मसमर्पण किया और एक एसएलआर राइफल भी सौंप दी। उसे घोषित 5.5 लाख रुपए की वित्तीय सहायता के साथ-साथ हथियार सौंपने के लिए अतिरिक्त 1.65 लाख रुपए भी मिलेंगे। इसके अलावा उसे राज्य की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के तहत सभी लाभ प्राप्त होंगे।

प. बंगाल : शुभेंदु ने विधानसभा में पेश 'लेखा अनुदान मांग' को 'फर्जी दस्तावेज' करार दिया

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल में मुख्य विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने राज्य की तृणमूल कांग्रेस सरकार द्वारा विधानसभा में पेश 'लेखा अनुदान मांग' की आलोचना करते हुए इसे ''झूठा और लक्ष्यहीन दस्तावेज'' करार दिया। उन्होंने दावा किया कि यह दस्तावेज चुनाव से प्रेरित वादों से भरा है और जिन्हें कानूनी रूप से लागू करना असंभव है।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने अंतरिम बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि अधिकांश घोषणाएं भ्रामक हैं क्योंकि आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) लागू होने के बाद उन्हें क्रियान्वित नहीं किया जा सकता।

पश्चिम बंगाल सरकार ने बृहस्पतिवार को राज्य विधानसभा में 2026-27 वित्तीय वर्ष के लिए 4.06 लाख करोड़ रुपए का अंतरिम बजट पेश किया। इसमें तीन महीने से भी कम समय में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले महिलाओं, युवाओं और अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं को लक्षित करते हुए नकद सहायता और भत्ते में वृद्धि के प्रावधान किए गए हैं।

मेघालय में 'अवैध' कोयला खदान में विस्फोट, 16 मजदूरों की मौत और कई अन्य के फंसे होने की आशंका

शिलांग/भाषा। मेघालय के ईस्ट जयंतिया हिल्स जिले में बृहस्पतिवार को ''अवैध'' कोयला खदान में विस्फोट होने से कम से कम 16 मजदूरों की मौत हो गई और कई अन्य के फंसे होने की आशंका है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) आई नोंगरंग ने यह जानकारी दी। डीजीपी ने बताया कि यह घटना थांगस्कू इलाके में हुई और बचाव दल तलाशी अभियान चला रहे हैं। उन्होंने कहा, ''हमने अब तक 16 शव बरामद किए हैं, लेकिन विस्फोट के समय खदान के अंदर मौजूद लोगों की संख्या के बारे में सटीक जानकारी नहीं है। कई लोगों के फंसे होने की आशंका है।'' ईस्ट जयंतिया हिल्स के पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने बताया कि घटना में घायल एक व्यक्ति को एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जिसके बाद बेहतर इलाज के लिए उसे राज्य की राजधानी शिलांग रेफर कर दिया गया। शक है कि यह विस्फोट उस जगह पर कोयला खनन की गतिविधियों के दौरान हुआ, जिसे एक गैर-कानूनी काम माना जा रहा है। जब पूछा गया कि क्या खदान अवैध रूप से संचालित की जा रही थी, तो कुमार ने कहा, ''हां, ऐसा ही लगता है।''

ओडिशा निवासी मर्चेंट नेवी अधिकारी मॉरीशस के नजदीक जहाज से 'लापता'

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के भद्रक जिले का निवासी और मर्चेंट नेवी में तैनात अधिकारी तीन फरवरी को मॉरीशस के पास एक जहाज पर ड्यूटी के दौरान कथित तौर पर लापता हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पीड़ित के परिवार ने केंद्र और राज्य सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने बताया कि लापता नाविक की पहचान भद्रक जिले के केसपुर निवासी सार्थक महापात्रा के रूप में की गई है। महापात्रा जुलाई 2025 से एक निजी जहाजरानी कंपनी के साथ काम कर रहे हैं। महापात्रा की मां रश्मिता महापात्रा ने बताया कि उनका बेटा जहाज के साथ चीन से पश्चिम अफ्रीका गया था और वापस चीन लौट रहा था। उन्होंने बताया कि दो फरवरी को मैंने सार्थक से आखिरी बार बात की थी। रश्मिता ने कहा, हम उसके लापता होने से बेहद दुखी हैं और केंद्र एवं राज्य सरकारों से तत्काल हस्तक्षेप करने का अनुरोध करते हैं।

नीट अभ्यर्थी की मौत के मामले में तथ्यों को छिपा रही बिहार सरकार: राबड़ी देवी

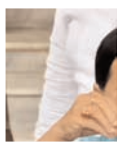

पटना/भाषा। बिहार में विधान परिषद की सदस्य और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की नेता राबड़ी देवी ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) की एक अभ्यर्थी की मौत के मामले में बृहस्पतिवार को राज्य पुलिस पर तथ्यों को ''छिपाने'' का आरोप लगाया। पूर्व मुख्यमंत्री, बजट सत्र के तीसरे दिन विधान परिषद के बाहर विपक्षी सदस्यों द्वारा किए जा रहे प्रदर्शन के दौरान पत्रकारों को संबोधित कर रही थीं।

जहानाबाद निवासी नीट अभ्यर्थी पिछले महीने छह जनवरी को पटना के चित्रगुप्त नगर स्थित एक छात्रावास में अचेत अवस्था में पाई गई थी। कई दिनों तक कोमा में रहने के बाद 11 जनवरी को एक निजी अस्पताल में उसकी मौत हो गई थी। परिजनों ने अधिकारियों पर मामले को दबाने की कोशिश करने का आरोप लगाया था। बिहार सरकार ने इस मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की सिफारिश की थी। विशेष जांच दल (एसआईटी) इस मामले की जांच कर रहा था। राबड़ी देवी ने पत्रकारों से कहा, बिहार का कोई ऐसा जिला नहीं है, जहां अपराध नहीं हो रहे हैं। इस (नीट अभ्यर्थी मौत मामले) पर सरकार और गृह मंत्री चुप हैं। उन्होंने सभी तथ्यों को छिपाने के बाद मामले को सीबीआई को सौंप दिया।

न्यायालय ने आदेश में संशोधन किया, अनुराग बीसीसीआई की गतिविधियों में भाग लेने के लिए स्वतंत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व अध्यक्ष अनुराग ठाकुर को बृहस्पतिवार को राहत देते हुए उच्चतम न्यायालय ने जनवरी 2017 के उस आदेश में संशोधन कर दिया, जिसमें उन्हें बोर्ड के मामलों से प्रतिबंधित किया गया था। इसके साथ ही, न्यायालय ने बोर्ड के साथ उनके जुड़ाव के लिए रास्ता साफ कर दिया।

न्यायालय ने कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री ठाकुर, नियमों और विनियमों के अनुरूप बीसीसीआई से संबंधित मामलों में भाग लेने के लिए स्वतंत्र हैं। शीर्ष अदालत ने दो जनवरी, 2017 को बीसीसीआई के तत्कालीन अध्यक्ष ठाकुर को निर्देश दिया था कि वह तुरंत बोर्ड के कामकाज से खुद को अलग कर लें और उससे किसी भी तरह का संबंध न रखें।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने 2017 के आदेश में संशोधन संबंधी ठाकुर की याचिका पर सुनवाई करते हुए आनुपातिकता के सिद्धांत को लागू करते हुए बृहस्पतिवार को संबंधित आदेश में संशोधन किया।

पीठ ने कहा, ''हम आनुपातिकता के सिद्धांत को लागू करने के लिए इसे एक उपयुक्त मामला पाते हैं, ताकि यह साबित हो सके कि अदालत का आशय न तो आजीवन प्रतिबंध लगाने का था और न ही इस मामले के तथ्यों एवं परिस्थितियों में इतना कठोर प्रतिबंध लगाना उचित या आवश्यक है।'' शीर्ष अदालत ने संज्ञान लिया कि ठाकुर नौ साल से अधिक समय से बीसीसीआई के कामकाज से अलग रहे हैं।

नेहरू, इंदिरा का अपमान हुआ, विपक्ष को बोलने नहीं दिया गया, इसलिए विपक्ष ने वाकआउट किया : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बृहस्पतिवार को कहा कि सत्तापक्ष ने पंडित जवाहरलाल नेहरू एवं इंदिरा गांधी का अपमान किया और विपक्ष को सदन में बोलने नहीं दिया, इसलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण के समय विपक्षी दलों ने उच्च सदन से बहिर्गमन किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब दिया। हालांकि विपक्षी दलों के सदस्य सदन से बाहर चले गए। खरगे ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''आज राज्यसभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, महामहिम राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर चर्चा का उत्तर देने आए थे। हम उन्हें सुनना चाहते थे, लेकिन हम चार दिन से देख रहे हैं कि लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी जी को बोलने नहीं दिया जा रहा है।'' उनका कहना था, ''हम संसद में लोकतंत्र, सामाजिक न्याय, युवाओं के लिए रोजगार और डोनाल्ड ट्रंप के बयान पर अपनी बात रखना चाहते थे। हम सभी विपक्षी दलों ने ये तय किया था कि अगर लोकसभा में नेता विपक्ष को बोलने दिया गया, तो हम प्रधानमंत्री की बात जरूर सुनेंगे। लेकिन ऐसा लगता है कि सत्ता पक्ष ने ठान लिया है कि दोनों सदनों में नेता विपक्ष को बोलने नहीं देना है।'' खरगे ने कहा, ''अगर मेरी बात सुनी जाती तो गतिरोध खत्म हो सकता था, लेकिन सरकार ने ऐसा नहीं किया।''

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''मोदी सरकार हमारे नेताओं का अपमान करती है और विपक्ष को अपनी बात रखने नहीं देती, इसलिए हमने इसकी निंदा की और सदन से वॉकआउट कर दिया।'' उन्होंने कहा कि जिन महान नेताओं ने देश के लिए कुर्बानियां दीं और देश को आजादी दिलाई, उनके बारे में एक सांसद द्वारा अपशब्द कहा गया और पूरा सत्तापक्ष चुपचाप सुनता रहा।

खरगे ने कहा, ''पंडित नेहरू जी ने आधुनिक भारत बनाया तो इंदिरा गांधी जी देश में जागृति लेकर आईं। ऐसे लोगों को सदन में भला-बुरा कहा जाता है, जिसका हम खंडन करते हैं।''

पश्चिम बंगाल का अंतरिम बजट जनहितैषी, केंद्रीय बजट दिशाहीन : ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी सरकार द्वारा विधानसभा में पेश किया गया अंतरिम बजट 'जनहितैषी' है और यह वित्तीय अनुशासन को दर्शाता है। बनर्जी ने केंद्रीय बजट की आलोचना करते हुए कहा कि बंगाल के बजट की तुलना में केंद्र सरकार का बजट दिशाहीन और सिद्धांतविहीन है।

मुख्यमंत्री ने बजट के बाद आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि केंद्र द्वारा 'लगातार वित्तीय अभाव' के बावजूद राज्य सरकार ने आम लोगों के कल्याण को प्राथमिकता दी है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमारा बजट जनहितैषी है, केंद्रीय बजट की तरह दिशाहीन और सिद्धांतविहीन नहीं है।'' उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल ने सामाजिक कल्याण के उपायों का विस्तार जारी रखते हुए अपने वित्त का विवेकपूर्ण प्रबंधन किया है।

बनर्जी ने इस बात पर बल दिया कि राज्य सरकार ने सामाजिक क्षेत्र के खर्च में विस्तार करते हुए भी राजकोषीय अनुशासन का पालन किया। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार पर पश्चिम बंगाल का लगभग दो लाख करोड़ रुपए का वैध बकाया है। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा), ग्रामीण आवास, ग्रामीण सड़कों और सर्व शिक्षा अभियान जैसी प्रमुख योजनाओं के लिए पश्चिम बंगाल को मिलने वाली धनराशि वर्षों से अवरुद्ध पड़ी है। उन्होंने कहा, ''केंद्र सरकार द्वारा राज्य को आर्थिक रूप से वंचित किए जाने के बावजूद, हमने जनहितैषी बजट पेश किया है। हमने अपने वादों से कोई समझौता नहीं किया है और सभी वादे पूरे किए हैं। यह कोई चुनावी हथकंडा नहीं है।'' बनर्जी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने पश्चिम बंगाल को उसके वैध हक से वंचित कर दिया है, इसके बावजूद राज्य सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि विकास और कल्याणकारी योजनाओं से कोई समझौता न हो। उन्होंने कहा कि अनुदान और भत्तों में घोषित वृद्धि तत्काल उपलब्ध कराई जाएगी। राज्य के वित्तीय प्रबंधन को लेकर हो रही आलोचना को खारिज करते हुए बनर्जी ने कहा कि उनकी सरकार राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन (एफआरबीएम) ढांचे के तहत उधार लेने की प्रक्रिया में अनुशासन लाई है।

बनर्जी ने कहा, ''हमारा बजट वित्तीय अनुशासन को दर्शाता है। हमने कल्याणकारी खर्चों को राजकोषीय विवेक के साथ संतुलित किया है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की कल्याणकारी पहलों ने 1.72 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने में मदद की है। उन्होंने इसे पश्चिम बंगाल में राज्य प्रायोजित सामाजिक कल्याण योजनाओं की एक सदी' करार दिया।

अरुणाचल विधानसभा ने तीन संशोधन विधेयक पारित किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश विधानसभा ने सदन में पेश किए जाने के एक दिन बाद तीन विधेयकों को उनके संशोधित स्वरूप में ध्वनि मत से पारित कर दिया। इन विधेयकों में पंचायती राज कानून, अरुणाचल प्रदेश कर्मचारी चयन बोर्ड (एपीएसएसबी) अधिनियम में संशोधन और विश्वास-आधारित शासन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से छोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने के प्रावधान शामिल थे। पंचायती राज मंत्री ओजिंग तासिंग ने अरुणाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) विधेयक जबकि मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने अरुणाचल प्रदेश कर्मचारी चयन बोर्ड (संशोधन) विधेयक पेश किया। अरुणाचल प्रदेश जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक को विधि और न्याय मंत्री केंटो जिनी द्वारा प्रस्तुत किया गया।

बिरला का दावा पूरी तरह झूठ, स्पीकर के पीछे छिप रहे हैं प्रधानमंत्री: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ अप्रत्याशित घटना को अंजाम देने की विपक्षी सदस्यों की योजना संबंधी लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के दावे को पूरी तरह झूठ करार दिया और दावा किया कि ''प्रधानमंत्री अब स्पीकर के पीछे छिप रहे हैं।''

प्रियंका ने यह आरोप भी लगाया कि यह ''बकवास'' बात है कि कुछ महिला सांसदों के खड़े होने के कारण प्रधानमंत्री सदन में आने की हिम्मत नहीं कर पाए। उन्होंने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''यह पूरी तरह झूठ है। प्रधानमंत्री पर हाथ उठाने या उन्हें चोट पहुंचाने या ऐसी किसी चीज का कोई सवाल ही नहीं है। इसलिए, किसी के लिए भी यह कहना कि ऐसी कोई योजना थी, बिल्कुल गलत है। ऐसी कोई योजना नहीं थी।''

उनका कहना था, ''यदि आप अपने सदस्यों को खड़े होकर बकवास करने की अनुमति देंगे, तो विपक्ष के लोग विरोध करेंगे।''

प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया, ''प्रधानमंत्री मोदी लोकसभा अध्यक्ष के पीछे छिप रहे हैं और यह सब वह स्पीकर से कहलवा रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''कल उनकी (प्रधानमंत्री मोदी की) सदन में आने की हिम्मत नहीं हुई क्योंकि उनकी बेंच के सामने तीन महिलाएं खड़ी थीं, यह क्या बकवास है? आप (पत्रकार) सरकार से यह क्यों नहीं पूछते कि विपक्ष के नेता को बोलने की इजाजत क्यों नहीं है? आप अमित शाह या प्रधानमंत्री मोदी से क्यों नहीं पूछते?'' प्रियंका गांधी ने सवाल किया कि क्या सरकार के पास उन्हें (राहुल गांधी को) किसी प्रकाशित स्रोत को उद्धृत करने से रोकने का कोई आधार है? कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''क्या मोदी सरकार यह कहना चाहती है कि महिला हिंसक होती हैं? क्या महिला द्वारा विरोध करना आतंकवाद है? क्या दलित महिला सांसद के खड़े होने से मोदी सरकार असहज थी? क्या वह उन्हें अछूत मानती है?'' उन्होंने कहा कि मोदी सरकार को देश की महिला सांसदों खासकर दलित महिलाओं से माफ़ी मांगना चाहिए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बृहस्पतिवार को कहा कि कल कांग्रेस के कई सदस्य सदन के नेता की सीट के पास पहुंचकर किसी अप्रत्याशित घटना को अंजाम देना चाहते थे, इसलिए उनके अनुरोध पर प्रधानमंत्री मोदी सदन में नहीं आए।

बिरला ने यह भी कहा कि बुधवार को विपक्ष के कुछ सदस्यों ने उनके चैंबर में आकर जिस तरह का व्यवहार किया, वैसा लोकसभा की शुरुआत से लेकर आज तक कभी नहीं हुआ और यह दृश्य एक 'काले धब्बे' की तरह था।

भारत की टी20 मानसिकता सभी टूर्नामेंट के लिए एक जैसी : सूर्यकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने बृहस्पतिवार को कहा कि सबसे छोटे प्रारूप में टीम की सफलता का राज सभी प्रतियोगिताओं में एक जैसी मानसिकता अपनाना है।

टी20 विश्व कप के सह-मेजबान के रूप में भारत जब आईसीसी टूर्नामेंट में दावेदार के 'टैग' के साथ उतरेगा तो यही सोच उसकी सबसे बड़ी ताकत होगी। उन्होंने ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर की फिटनेस पर भी अपडेट दिया और कहा कि उनकी वापसी में किसी तरह की जल्दबाजी नहीं की जाएगी। गत चैंपियन भारत शनिवार को यहां वानखेड़े स्टेडियम में टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में अमेरिका से भिड़ेगा। भारत की नजरें रिकॉर्ड तीसरा खिताब जीतने पर लगी होंगी। कप्तानों की प्रेस कांफ्रेंस में भारत की मानसिकता पर सवाल पूछे जाने पर सूर्यकुमार ने कहा, ''हम पिछले दो-तीन साल से अच्छा क्रिकेट खेल रहे हैं, लेकिन मुझे लगता है कि हमने अपनी सोच बदली है। पहले हम द्विपक्षीय सीरीज और आईसीसी टूर्नामेंट अलग-अलग तरीके से खेलते थे, लेकिन अब चाहे आईसीसी टूर्नामेंट हो, एशिया कप हो या द्विपक्षीय मैच, हम हर जगह एक ही तरह से खेलने की कोशिश करते हैं। '' भारत ने 2024 टी20 विश्व कप जीतने के बाद सभी द्विपक्षीय टी20 सीरीज जीती हैं और पिछले साल एशिया कप का खिताब भी अपने नाम किया था। सूर्यकुमार ने कहा, ''इसी वजह से जब हम 2024 टी20 विश्व कप खेलने गए तो वह अलग महसूस नहीं हुआ। बल्कि ऐसा लगा जैसे हम पूरे एक साल से इसी तरह का क्रिकेट खेलते आ रहे हों। '' उन्होंने कहा, ''अब भी पिछले एक साल से हम जिस तरह का क्रिकेट खेल रहे हैं, टी20 विश्व कप में उसी तरह खेलने की कोशिश करेंगे। अगर हम अच्छा खेलेंगे, तो नतीजा भी हमारे पक्ष में होगा। '' भारतीय कप्तान ने कहा कि टीम वॉशिंगटन सुंदर को पूरी तरह फिट होकर मजबूत वापसी करने के लिए पर्याप्त समय देना चाहती है। उन्होंने कहा, ''तिलक वर्मा को ब्रेक मिला था। वह न्यूज़ीलैंड सीरीज नहीं खेल पाए थे और जब वापस आए तो बिल्कुल अलग खिलाड़ी नजर आए। उन्होंने ए सीरीज का एक मैच (भारत ए और अमेरिका के बीच अभ्यास मैच) खेला और कल (बुधवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अभ्यास मैच में) भी खेले। हमें उम्मीद है कि वॉशिंगटन भी उसी तरह वापसी करेंगे। '' उन्होंने कहा, ''वह काफी अच्छा कर रहे हैं। वह लगभग तैयार हैं। हम चाहते हैं कि जब वह लौटें तो पूरी तरह फिट हों। शत प्रतिशत। ''

सुविचार

समय और समझ एक साथ खुश किस्मत लोगों को ही मिलते हैं अक्सर समय पर समझ नहीं होती और समझ आने पर समय बीत जाता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

यह कैसी प्रगतिशीलता?

अभिनेता मनोज वाजपेयी की आगामी फिल्म 'घूसखोर ...' एक समुदाय को अपमानित कर प्रचार पाने की ओछी हरकत प्रतीत होती है। कला का यह मतलब नहीं कि पूरे समुदाय पर ही तोहमत लगा दें। भारतीय सिनेमा में निर्माताओं, निर्देशकों, लेखकों और अभिनेताओं का एक ऐसा वर्ग है, जो खुद को प्रगतिशील दिखाने के लिए दूसरों का अपमान करता है तथा इसमें आनंद की अनुभूति करता है। यह वर्ग दशकों से ऐसी फिल्में बना रहा है, जिनके जरिए पंडितों के प्रति लोगों के मन में घृणा भरी जाती है। उन्हें लोभी, लालची और चालाक दिखाया जाता है। ये दोष और दुर्गुण तो किसी भी समुदाय के व्यक्ति में हो सकते हैं। क्या इसके लिए उस समुदाय को ही कठघरे में खड़ा कर देना चाहिए? यह कैसी प्रगतिशीलता है? अगर घूसखोरी जैसी समस्या पर फिल्म बनानी है तो पिछले एक साल में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने जिन अधिकारियों व कर्मचारियों को पकड़ा, उनके बारे में जानकारी जुटाइए। आपको पता चलेगा कि भ्रष्टाचार की वजह किसी व्यक्ति का लालच होता है, न कि एक समुदाय में पैदा होना। भ्रष्टाचार तो पाकिस्तान, बांग्लादेश, ईरान, म्यांमार, नाइजीरिया में भी है। सबसे ज्यादा ईमानदार और पारदर्शी माने जाने वाले देश भ्रष्टाचार से पूरी तरह मुक्त नहीं हुए हैं। क्या उसके लिए भारत के किसी एक समुदाय को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है? अगर कोई समुदाय बहुत शांतिप्रिय है तो उसे बार-बार निशाने पर लेना उचित नहीं है। फिल्मों का समाज पर बहुत गहरा असर होता है। देश में आजादी के बाद ऐसी फिल्मों की बाढ़-सी आ गई थी, जिनमें विभिन्न समुदायों को खलनायक की तरह पेश किया गया। उन्हें देखकर कोई दर्शक यही सोचेगा कि 'व्यापार करना गलत है, क्योंकि ऐसा काम करने वाला व्यक्ति दूसरों का शोषण करता है।'

इस गलत सोच ने भारत में उद्यमिता को पनपने नहीं दिया। जब चीन, जापान, जर्मनी जैसे देश नई तकनीक के साथ अपने उद्योगों को बढ़ावा दे रहे थे, तब भारत में कई फिल्में कारखानों को ताला लगाने का संदेश दे रही थीं। इन फिल्मों ने क्षत्रिय समुदाय के साथ बड़ा अन्याय किया। देश की रक्षा में उनके योगदान को सराहा नहीं गया। क्षत्रिय ही थे, जिन्होंने विदेशी आक्रांताओं से लड़ते हुए मातृभूमि के लिए अपने शीश न्योछावर किए थे। क्या कोई इससे इन्कार कर सकता है? उन्हें फिल्मों में दूसरों पर अत्याचार करते हुए ही दिखाया गया। क्या यह एकपक्षीय दृष्टिकोण नहीं है? क्षत्रिय समुदाय में ऐसे अनगिनत लोग हुए हैं, जिन्होंने शरणागत की रक्षा और न्याय की स्थापना के लिए अपने प्राणों तक की परवाह नहीं की। उन्होंने सर्वसमाज की भलाई के लिए हजारों कुओं, बावड़ियों का निर्माण कराया, लेकिन एक लेखक ने कहानी लिखकर दुनिया को यह बताया कि वे किसी को पानी नहीं पीने देते थे! लोगों ने इसे सच भी मान लिया। क्या ऐसे झूठ का प्रसार करना उस समुदाय का अपमान नहीं है? क्या इससे भेदभाव को बढ़ावा नहीं मिलता है? जब समानता, नैतिकता और सद्भावना की बात की जाती है तो इन समुदायों को बाहर क्यों किया जाता है? क्या निर्माताओं, निर्देशकों, लेखकों और अभिनेताओं की कोई बौद्धिक जिम्मेदारी नहीं होती? भ्रष्टाचार, अत्याचार, शोषण, उत्पीड़न जैसी बुराइयों के लिए पूरे समुदाय को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। अच्छे और बुरे लोग किस समुदाय में नहीं होते? हर समुदाय में ऐसे लोग मिलेंगे जो सत्यवादी, दयालु और परोपकारी होते हैं। इसी तरह झूठे, लालची, दूसरों को पीड़ा देने वाले लोग भी होते हैं। विवेकशील मनुष्य बुराइयों को किसी समुदाय से जोड़कर नहीं देखता। पूरे समुदाय को बुराई के चश्मे से देखना भी अपनेआप में एक बुराई है।

ट्वीटर टॉक

आज राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान नालसा के माध्यम से संचालित वीर परिवार सहायता योजना के अंतर्गत सैनिकों एवं उनके परिवारों को प्रदान की जा रही न्यायिक एवं कानूनी सहायता के विषय में सदन को विस्तृत जानकारी दी।

-अर्जुनराम मेघवाल

दो दिवसीय प्रवास के दौरान फतेहपुर शेखावटी, सीकर, सिरूणा, रतनगढ़, लक्ष्मणगढ़, रोलसाबसर एवं पलसाना सहित अनेक स्थानों पर मिला अपार स्नेह, आशीर्वाद और आत्मीय स्वागत मन को गहराई से स्पर्श करने वाला रहा। आप सभी का यह अटूट विश्वास ही मुझे निरंतर प्रेरणा देता है।

-वसुंधरा राजे

केंद्र सरकार की सोलर पार्क एवं अल्ट्रा मेगा सोलर परियोजना योजना के अंतर्गत राजस्थान में कुल 10,726 मेगावाट क्षमता के सोलर पार्क स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें प्रमुख रूप से भादला, फलोदी-पोकरण, फतेहगढ़, नोख, पुगल बीकानेर एवं जैसलमेर क्षेत्र शामिल हैं।

-मदन राठौड़

प्रेरक प्रसंग

सत्यबोध के गुरु

प्राचीन भारत में अद्वैत वेदांत के महान दार्शनिक आदि शंकराचार्य बाल्यावस्था में ही असाधारण प्रतिभा के लिए प्रसिद्ध हो चुके थे। वे देशभर में भ्रमण कर शास्त्रार्थ करते और लोगों को तर्क द्वारा सत्य समझाते थे। एक बार वे अपने शिष्यों के साथ काशी में गंगा स्नान के लिए जा रहे थे। मार्ग में उन्हें एक चांडाल मिला, जो शव उठाने का कार्य करता था। शंकराचार्य ने अनजाने में उससे मार्ग छोड़ने को कहा। चांडाल ने शांत स्वर में प्रश्न किया कि आप किसे हटने को कह रहे हैं, इस शरीर को या उस चेतना को जो इस शरीर में विद्यमान है। यह सुनकर शंकराचार्य ठिठक गए। वे समझ गए कि यह प्रश्न किसी साधारण व्यक्ति का नहीं हो सकता। उनके भीतर का दार्शनिक जाग उठा। उन्होंने वहीं रुककर विचार किया कि यदि ब्रह्म सर्वत्र है, तो ऊंच-नीच का भेद कैसे सत्य हो सकता है। शंकराचार्य ने तुरंत उस चांडाल के चरणों में प्रणाम किया। उनके शिष्यों को यह दृश्य समझ में नहीं आया। शंकराचार्य ने कहा कि जो व्यक्ति सत्य का बोध करा दे, वही गुरु है, चाहे वह किसी भी अवस्था में क्यों न हो।

सामयिक

दिल्ली में लापता होने की बढ़ती घटनाएँ

महेन्द्र तिवारी
मोबाइल : 9989703240

दिल्ली एक ऐसा शहर है जिसे सपनों की राजधानी कहा जाता है। देश के कोने-कोने से लोग यहाँ रोज़गार, शिक्षा और बेहतर जीवन की उम्मीद लेकर आते हैं। ऊँची इमारतों, चौड़ी सड़कों और तेज़ रफ़्तार ज़िंदगी के बीच यह शहर लगातार फैल रहा है। लेकिन इसी चमक-दमक के पीछे एक डरावनी सच्चाई छिपी है, जो धीरे-धीरे दिल्ली की पहचान पर सवाल खड़े कर रही है। यह सच्चाई है लोगों का गायब हो जाना। हर दिन दर्जनों लोग इस महानगर में लापता हो जाते हैं और उनमें सबसे अधिक संख्या किशोरियों और युवतियों की होती है। यह केवल अपराध का आंकड़ा नहीं, बल्कि समाज के भीतर पनप रहे भय, असुरक्षा और टूटते विश्वास की कहानी है।

आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि दिल्ली में लापता होने के मामलों की संख्या लगातार बढ़ रही है। हर दिन औसतन पचास से अधिक लोग गायब हो रहे हैं। इनमें से अधिकांश पंद्रह से पच्चीस वर्ष की आयु के हैं। यह उम्र सपने देखने और भविष्य गढ़ने की होती है, लेकिन यही उम्र सबसे अधिक खतरे में दिखाई देती है। खासकर लड़कियाँ, जिनकी संख्या लड़कों की तुलना में कहीं अधिक है। कई मामलों में वे घर से पढ़ाई, काम या किसी जान-पहचान के व्यक्ति से मिलने के लिए निकलती हैं और फिर कभी वापस नहीं लौटतीं। कुछ तो शुरुआती घंटों या दिनों में मिल जाती हैं, लेकिन एक बड़ा हिस्सा ऐसा भी है जो महीनों और वर्षों तक नहीं मिलता।

दिल्ली के कुछ इलाके इस संकट से विशेष रूप से जूझ रहे हैं। घनी आबादी, झुग्गी बस्तियाँ, प्रवासी मजदूरों की बड़ी संख्या और सामाजिक अस्थिरता इन क्षेत्रों को अधिक संवेदनशील बनाती है। यहाँ रहने वाले परिवार अक्सर गरीबी, बेरोज़गारी और घरेलू तनाव से घिरे रहते हैं। ऐसे माहौल में बच्चे और किशोर छोटी-छोटी बातों पर घर छोड़ देते हैं। लड़कियों के मामले में स्थिति और भी गंभीर है। पारिवारिक दबाव, पढ़ाई या विवाह को लेकर तनाव, या फिर किसी अनजान व्यक्ति द्वारा दिखाए गए झूठे सपने उन्हें घर से बाहर निकलने के लिए मजबूर कर देते हैं।

तकनीक के विस्तार ने जहाँ दुनिया को करीब लाया है, वहीं उसने नए खतरे भी पैदा किए हैं। मोबाइल और सामाजिक मंचों के ज़रिये संपर्क बढ़ा है, लेकिन इसी रास्ते से धोखा भी आसानी से दिया जा रहा है। नौकरी, मॉडलिंग, विवाह या प्रेम के नाम पर लड़कियों को फँसाया जाता है। कई बार उन्हें दूसरे शहरों या राज्यों में ले जाया जाता है, जहाँ वे मानव तस्करी, जबरन श्रम या शोषण का शिकार हो जाती हैं। यह एक संगठित अपराध का रूप ले चुका है, जिसमें सीमाओं की कोई परवाह नहीं की जाती।

इस समस्या का एक बड़ा कारण पारिवारिक टूटन भी है। माता-पिता के बीच कलह, सौतेले रिश्ते, घरेलू हिंसा और भावनात्मक उपेक्षा बच्चों को असुरक्षित महसूस कराती है। जब घर सुरक्षित नहीं लगता, तो बाहर की दुनिया आकर्षक लगने लगती है। लड़कियों के लिए यह जोखिम और बढ़ जाता है, क्योंकि समाज अब भी उन्हें पूरी तरह स्वतंत्र और सुरक्षित वातावरण नहीं दे पाया है। महामारी के बाद मानसिक तनाव और अवसाद की समस्याएँ भी बढ़ी हैं। युवा मन आसानी से बहक जाता है और गलत फैसले ले बैठता है।

लापता होने का असर केवल उस व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता। पूरा परिवार एक अनिश्चित पीड़ा में जीने लगता है। माँ-बाप हर अजनबी चेहरे में अपने बच्चे को ढूँढते हैं। आर्थिक बोझ बढ़ता है, क्योंकि खोज-बीन में समय और पैसा दोनों खर्च होते हैं। समाज में तरह-तरह की बातें बनने लगती हैं, जिससे परिवार और अधिक टूट जाता है। लड़कियों के मामलों में डर और भी गहरा होता है, क्योंकि उनके साथ हिंसा, शोषण या मृत्यु की आशंका हर पल बनी रहती है। कई बार ऐसे मामले सामने आए हैं, जहाँ लापता होने के बाद हत्या या गंभीर अपराध का पता चला।

सरकार और पुलिस ने इस समस्या से निपटने के लिए कई कदम उठाए हैं। शहर में निगरानी के लिए कैमरे लगाए गए हैं, आपातकालीन नंबरों को मजबूत किया गया है और लापता व्यक्तियों की जानकारी साझा करने के लिए योजनाएँ चलाई जा रही हैं। महिलाओं और बच्चों के लिए सहायता केंद्र बनाए गए हैं, जहाँ कानूनी और मानसिक सहयोग दिया जाता है। लेकिन इन प्रयासों के बावजूद समस्या की जड़ पर चोट नहीं हो पा रही। पुलिस बल की कमी, मामलों की संख्या का दबाव और राज्यों के बीच समन्वय की कमजोरी बड़ी बाधाएँ हैं। कई बार शुरुआती घंटों में कार्रवाई में देरी हो जाती है, जो किसी भी लापता मामले में सबसे महत्वपूर्ण समय होता है।

यह भी सच है कि योजनाओं और बजट की घोषणाएँ अक्सर कागज़ों तक सीमित रह जाती हैं। ज़मीनी स्तर पर जागरूकता की कमी साफ दिखाई देती है। बहुत से अभिभावक अब भी बच्चों के साथ खुलकर बात नहीं कर पाते। वे खतरे को समझते तो हैं, लेकिन उसे गंभीरता से लेने में चूक जाते हैं। लड़कियों को आत्मरक्षा, सुरक्षित व्यवहार और अपने अधिकारों की जानकारी पर्याप्त रूप से नहीं दी जाती। समाज में यह सोच अब भी मौजूद है कि खतरा केवल बाहर है, जबकि कई बार खतरा परिचित चेहरे के पीछे छिपा होता है।

इस समस्या का समाधान केवल पुलिस या सरकार के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। यह एक सामाजिक चुनौती है, जिसका सामना सामूहिक प्रयास से ही किया जा सकता है। स्कूलों और कॉलेजों में बच्चों को सुरक्षित और असुरक्षित परिस्थितियों की पहचान सिखानी होगी। अभिभावकों को बच्चों के मित्र बनने की कोशिश करनी होगी, ताकि वे बिना डर अपनी बात साझा कर सकें। मोहल्ला स्तर पर निगरानी और सहयोग की भावना विकसित करनी होगी। अगर कोई बच्चा या किशोरी लंबे समय तक दिखाई न दे, तो उसे सामान्य बात मानकर अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए।

कानूनी स्तर पर भी सख्ती ज़रूरी है। लापता होने की सूचना मिलते ही तुरंत कार्रवाई हो, यह सुनिश्चित करना होगा। मानव तस्करी और शोषण से जुड़े अपराधों पर कठोर दंड और तेज़ सुनवाई की व्यवस्था होनी चाहिए। राज्यों के बीच बेहतर तालमेल से ही यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि कोई भी व्यक्ति सीमा पार कर अपराधियों के हाथों में न जाए। साथ ही, लड़कियों को शिक्षा और रोज़गार के अवसर देकर आर्थिक रूप से सशक्त बनाना भी उतना ही आवश्यक है, क्योंकि आत्मनिर्भरता उन्हें निर्णय लेने की शक्ति देती है।

दिल्ली को सच में सुरक्षित राजधानी बनाना है, तो सोच बदलनी होगी। सुरक्षा केवल कैमरों और कानून से नहीं आती, बल्कि भरोसे, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी से आती है। हर नागरिक को यह समझना होगा कि किसी एक का गायब होना पूरे समाज की विफलता है। जब तक हम इस दर्द को अपना दर्द नहीं मानेंगे, तब तक आंकड़े बढ़ते रहेंगे और सपनों की यह राजधानी कई परिवारों के लिए डर का पर्याय बनी रहेगी। सतर्कता, संवाद और सामूहिक प्रयास ही इस साये को दूर कर सकते हैं। दिल्ली तभी आगे बढ़ेगी, जब उसकी बेटियाँ और बेटे बिना भय के घर से बाहर निकल सकें और सुरक्षित लौट सकें। यही सच्चा विकास है, यही असली प्रगति।

नजरिया

यह दौरा व्यापार, ऊर्जा, डिफेंस, सुरक्षा और निवेश के नए युग की मजबूत नींव रखेगा। मोदी और अनवर के बीच की सकारात्मक केमिस्ट्री इन समझौतों को व्यवहारिक और प्रभावी रूप देगी। यह केवल दो देशों की औपचारिक मुलाकात नहीं, बल्कि एशिया के भविष्य की दिशा तय करने वाला रणनीतिक प्रयास है। भारत-मलेशिया साझेदारी वैश्विक चुनौतियों के सामने एक सशक्त और अटूट दीवार बनकर उभरेगी। यह यात्रा उम्मीद, आत्मविश्वास और रणनीतिक दूरदृष्टि की प्रतीक बनकर इतिहास में स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होगी।

एक यात्रा, कई संभावनाएँ : मलेशिया की ओर भारत

प्रो. आर के जैन अरिजीत

भारत जब एशिया की जियोपॉलिटिक्स अनिश्चितता और प्रतिस्पर्धा की तेज लहरों से घिरी हुई है, ऐसे समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 7-8 फरवरी 2026 का मलेशिया दौरा एक साहसी, निर्णायक और दूरदर्शी कदम के रूप में उभरता है। यह यात्रा मात्र औपचारिक कूटनीति नहीं, बल्कि भविष्य की वैश्विक रणनीति को दिशा देने वाला ऐतिहासिक प्रयास है। अगस्त 2024 में संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी में उन्नत करने के बाद यह पहला बड़ा अवसर है, जब दोनों देश अपने संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की तैयारी में हैं। अनवर इब्राहिम के आमंत्रण पर हुआ यह दौरा भारत की एक्ट ईस्ट नीति को नई ऊर्जा देगा और चीन की बढ़ती सक्रियता के बीच संतुलन का स्पष्ट, सशक्त और आत्मविश्वासी संदेश भी प्रस्तुत करेगा।

भारत और मलेशिया के द्विपक्षीय संबंध अब औपचारिकताओं की सीमाओं से निकलकर आपसी विश्वास, सहयोग और साझेदारी की गहराई तक पहुंच चुके हैं। लगभग 2.9 मिलियन भारतीय मूल के नागरिक मलेशिया में दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक सेतु की भूमिका निभा रहे हैं। यही सशक्त डायस्पोरा भारत की सॉफ्ट पावर को वैश्विक मंच पर मजबूती प्रदान करता है। मोदी और अनवर की मुलाकात में व्यापार, निवेश, डिफेंस, सुरक्षा, डिजिटल और फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी जैसे अहम विषयों पर ठोस और दूरगामी निर्णय होने की पूरी संभावना है। दसवां इंडिया-मलेशिया सीईओ फोरम इस यात्रा का प्रमुख आकर्षण होगा, जहां भविष्य की आर्थिक साझेदारियों की मजबूत नींव रखी जाएगी।

व्यापार के क्षेत्र में यह यात्रा एक निर्णायक और परिवर्तनकारी मोड़ साबित हो सकती है। मलेशिया का पाम ऑयल, इलेक्ट्रॉनिक्स और तेल-गैस संसाधन भारत की बढ़ती आवश्यकताओं को मजबूती देंगे, जबकि भारतीय आईटी, फार्मा और स्टार्टअप सेक्टर मलेशियाई बाजार में नए अवसरों की खोज करेंगे। दोनों देश व्यापारिक बाधाओं को कम करने, लॉजिस्टिक्स व्यवस्था सुधारने और सप्लाई चेन को सशक्त बनाने पर ठोस सहमति बना सकते हैं। इंडो-पैसिफिक व्यापार गलियारों को गति देकर चीन पर निर्भरता घटाने का प्रयास भी इस एजेंडे का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा। मोदी का दृष्टिकोण बिल्कुल स्पष्ट है-व्यापार को केवल आर्थिक गतिविधि नहीं, बल्कि रणनीतिक शक्ति के रूप में विकसित करना।

ऊर्जा क्षेत्र में यह दौरा भविष्य की हरित क्रांति की मजबूत आधारशिला रखने की पूरी क्षमता रखता है। रिन्यूएबल एनर्जी, ग्रीन हाइड्रोजन, क्लीन टेक्नोलॉजी और ऊर्जा संक्रमण पर सहयोग के नए द्वार खुलने की प्रबल संभावना है। मलेशिया के तेल और गैस संसाधन भारत की ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ बनाएंगे, जबकि भारत की उन्नत सोलर और विंड तकनीक मलेशिया को नेट-जीरो लक्ष्य के और अधिक निकट पहुंचाएगी। ऊर्जा संक्रमण से जुड़े संभावित समझौते दोनों देशों को जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध एक साझा और प्रभावी मोर्चे पर खड़ा करेंगे। यह साझेदारी आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन का प्रेरणादायक उदाहरण बनेगी। मैरिटाइम सिक्योरिटी इस यात्रा का सबसे संवेदनशील, रणनीतिक और महत्वपूर्ण पक्ष है। दक्षिण चीन सागर में बढ़ते तनाव के बीच भारत और मलेशिया का नौसैनिक सहयोग क्षेत्रीय स्थिरता के लिए अनिवार्य बन चुका है। संयुक्त सैन्य अभ्यास, इंटेलिजेंस शेयरिंग और मैरिटाइम डोमेन अवेयरनेस को मजबूत करना प्रमुख प्राथमिकता होगी। मलक्का जलडमरूमध्य की सुरक्षा वैश्विक व्यापार की जीवनरेखा है, जिसकी स्थिरता दोनों देशों के साझा हितों से जुड़ी है। यह सहयोग समुद्री सुरक्षा को नई दिशा देगा, जहां साझेदारी टकराव पर भारी पड़ेगी।

इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में भारत की नेतृत्व भूमिका इस दौरे के माध्यम से और अधिक सुदृढ़ तथा प्रभावशाली होगी। एक्ट ईस्ट नीति और मलेशिया की लुक ईस्ट रणनीति का संगम एक मजबूत और संतुलित क्षेत्रीय ढांचा तैयार करेगा। इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क पर होने वाली चर्चा सुरक्षित, पारदर्शी और स्थिर व्यापार मार्गों के विकास में सहायक होगी। क्वाड, आसियान और इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क के साथ समन्वय बढ़ने से क्षेत्र में संतुलित शक्ति व्यवस्था स्थापित होगी।

मोदी का उद्देश्य पूरी तरह स्पष्ट है-इंडो-पैसिफिक को एक शांतिपूर्ण, समृद्ध और सहयोगी क्षेत्र में परिवर्तित करना, जहां विकास और सुरक्षा साथ-साथ आगे बढ़। निवेश के क्षेत्र में यह यात्रा अवसरों के नए द्वार खोलने वाली सिद्ध होगी। मलेशियाई कंपनियां मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियानों में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से भारत की विकास यात्रा का हिस्सा बन सकती हैं। सीईओ फोरम में होने वाले समझौते रोजगार सृजन, नवाचार और तकनीकी हस्तांतरण को नई गति प्रदान करेंगे। भारतीय प्रवासी समुदाय निवेशकों और सरकारों के बीच एक मजबूत सेतु की भूमिका निभाएगा। मोदी की उद्योगपतियों से मुलाकात एफडीआई को विशेष रूप से ग्रीन एनर्जी, सेमीकंडक्टर, मैन्युफैक्चरिंग और डिजिटल टेक्नोलॉजी क्षेत्रों में प्रोत्साहित करेगी। यह निवेश साझेदारी आपसी विश्वास, स्थायित्व और दीर्घकालिक सहयोग का मजबूत आधार बनेगी।

सॉफ्ट पावर के क्षेत्र में भी यह दौरा गहरा और दूरगामी प्रभाव डालेगा। स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन, संस्कृति और हेल्थ टेक में बढ़ता सहयोग द्विपक्षीय संबंधों को मानवीय और संवेदनशील आधार प्रदान करेगा। महामारी के बाद हेल्थ टेक और वैक्सीन सहयोग की बढ़ती अहमियत इस साझेदारी को और सुदृढ़ बनाएगी। छात्र विनिमय कार्यक्रम और शोध साझेदारियां ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूती देंगी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों और जन-संपर्क से दोनों समाजों के बीच भावनात्मक जुड़ाव गहरा होगा। यह यात्रा प्रमाणित करेगी कि कूटनीति केवल समझौतों तक सीमित नहीं, बल्कि दिलों को जोड़ने वाली निरंतर प्रक्रिया भी है। प्रधानमंत्री मोदी की मलेशिया यात्रा एक ऐतिहासिक, निर्णायक और दूरदर्शी क्षण के रूप में दर्ज होगी।

यह दौरा व्यापार, ऊर्जा, डिफेंस, सुरक्षा और निवेश के नए युग की मजबूत नींव रखेगा। मोदी और अनवर के बीच की सकारात्मक केमिस्ट्री इन समझौतों को व्यवहारिक और प्रभावी रूप देगी। यह केवल दो देशों की औपचारिक मुलाकात नहीं, बल्कि एशिया के भविष्य की दिशा तय करने वाला रणनीतिक प्रयास है। भारत-मलेशिया साझेदारी वैश्विक चुनौतियों के सामने एक सशक्त और अटूट दीवार बनकर उभरेगी। यह यात्रा उम्मीद, आत्मविश्वास और रणनीतिक दूरदृष्टि की प्रतीक बनकर इतिहास में स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होगी।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अनन्या बिड़ला ने लॉन्च किया बिड़ला स्टूडियोज

मुंबई/एजेन्सी

बिड़ला स्टूडियोज की शुरुआत एक साफ़ सोच के साथ की गई है, ऐसा कमर्शियल सिनेमा बनाना जो बड़े पैमाने पर दर्शकों से जुड़े, लेकिन अपनी क्लास और क्रिएटिव पहचान भी बनाए रखे। यहां कहानियां होंगी दमदार, सांस्कृतिक रूप से जुड़ी हुई और ऐसी, जो एंटरटेनमेंट और आर्ट दोनों का खूबसूरत संतुलन पेश करें। सिनेमा को आत्म-अभिव्यक्ति का सबसे असरदार ज़रिया मानने वाली अनन्या बिड़ला की सोच से प्रेरित होकर, बिड़ला स्टूडियोज ऐसे सिनेमा को आकार देने के लिए प्रतिबद्ध है जो दिल को तुरंत छू जाए और लंबे समय तक अपनी छाप छोड़ दे।

यहां क्रिएटिव ऊंचाइयों के साथ-साथ कमर्शियल समझ पर भी उतना ही ज़ोर होगा, ताकि फिल्में मायने भी रखें और ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचें। अनन्या बिड़ला कहती हैं, हम सभी कहानियों से बने हैं। सिनेमा उन कहानियों को कहने का सबसे ताक़तवर माध्यम है। जब सिनेमा अपने शिखर पर होता है, तो वह पल भर में दिल से जुड़ जाता है और बरसों तक साथ रहता है। बिड़ला स्टूडियोज में हमारा फोकस ऐसी फिल्मों को चुनने पर है जो सांस्कृतिक महत्व और भरपूर मनोरंजन के बीच संतुलन बनाए रखें, नए टैलेंट को मौका दें और अलग-अलग जॉनर, नई आवाज़ों और विविध नज़रियों को सामने लाएं। इस सफ़र में इंडस्ट्री से मिले अपनापन और सपोर्ट ने हमें और हौसला दिया है।

भारतीय सिनेमा को आगे ले जाने में अगर हम छोटा सा भी योगदान दे पाए, तो यह हमारे लिए सम्मान की बात होगी। बिड़ला स्टूडियोज एक मल्टी-लैंग्वेज स्लेट पर काम कर रहा है, जिसमें हिंदी, गुजराती, मलयालम समेत कई क्षेत्रीय भाषाओं के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय इंग्लिश सिनेमा भी शामिल होगा।

रूस के साथ युद्ध में अबतक यूक्रेन के करीब 55 हजार सैनिक मारे गए : जेलेंस्की

कीव/एपी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने खुलासा किया कि करीब चार साल से रूस के साथ जारी युद्ध में अबतक उनके 55 हजार सैनिक मारे गए हैं।इस बीच, करीब चाल साल से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए रूस और यूक्रेन के वार्ताकारों ने अमेरिका की मध्यस्थता में बृहस्पतिवार को अबू धाबी में लगातार दूसरे दिन बातचीत की। यह बातचीत ऐसे समय हुई जब रूस ने यूक्रेन के बिजली नेटवर्क को बुरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया है ताकि नागरिकों को बिजली से वंचित कर उनके मनोबल को तोड़ा जा सके। इस समय दोनों देशों के बीच यूक्रेन के पूर्वी और दक्षिणी हिस्सों में करीब 1,000 किलोमीटर (600 मील) लंबी अग्रिम पंक्ति पर लड़ाई जारी है।

जेलेंस्की ने कहा, '' करीब चार साल पहले रूस के आक्रमण के बाद से अबतक यूक्रेन के 55,000 सैनिक मारे गए हैं। बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं जिन्हें यूक्रेन लापता मानता है।'' बैठक में मौजूद यूक्रेन की राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा परिषद के प्रमुख रुस्तम उमेरोव ने बताया संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबू धाबी में हो रही वार्ता में रूस और यूक्रेन के प्रतिनिधिमंडलों के साथ अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर भी शामिल हुए।

अंतरराष्ट्रीय कठपुतली शो: रेड राइडिंग हुड, डोमेनिका की शाही शादी और अमृता की दास्तां का होगा मंचन

नई दिल्ली/भाषा

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 'इशारा' अंतरराष्ट्रीय कठपुतली थिएटर फेस्टिवल में इस साल इटली, कोरिया, भूटान, तुर्किये, अल्बानिया और भारत सहित छह देशों के अग्रणी कठपुतली कलाकार विविध वैश्विक कठपुतली परंपराओं का प्रदर्शन करेंगे। इस बार लिटिल रेड राइडिंग हुड, डोमेनिका की शाही शादी और अमृता की दास्तां आकर्षण का मुख्य केंद्र होंगे।इसी दौरान भारतीय डाक विभाग 13 फरवरी को 'भारत की कठपुतलियां' विषय पर एक विशेष स्मारक डाक टिकट जारी करेगा।

बाइसवां अंतरराष्ट्रीय कठपुतली उत्सव 13 फरवरी से 22 फरवरी 2026 तक इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित किया जाएगा।इशारा पपेट थिएटर ट्रस्ट के फेस्टिवल डायरेक्टर और संस्थापक दादी डी. पदमजी ने यहां जारी एक बयान में कहा यह एक ही मंच पर 22 वर्षों से कठपुतलियों, संगीत और जुनून का उत्सव है। दुनिया के अलग अलग कोनों की विविध संस्कृतियों के बीच एक जादुई रिश्ता कायम करते हुए डोरियों, हाथों, परछाइयों और कल्पनाओं के सहारे एक अद्भुत दुनिया रची जाएगी।'' उन्होंने बताया कि उत्सव के दौरान डाक विभाग भारत की कठपुतलियों पर विशेष स्मारक डाक टिकटों की एक श्रृंखला का अनावरण भी करेगा।

यहां जारी एक बयान के अनुसार प्राचीन परंपराओं में रची-बसी और समकालीन रचनात्मकता से आकार लेती इस श्रृंखला में इस वर्ष इटली, कोरिया, भूटान, तुर्किये और अल्बानिया के साथ-साथ भारत के अपने प्रतिष्ठित कठपुतली उस्तादों की प्रस्तुतियों का मंचन होगा, जिन्हें विभिन्न आयु वर्गों को ध्यान में रखकर सावधानीपूर्वक तैयार किया गया है।

तेरह फरवरी को कोरिया से 'डूंग डूंग अलर्ट', शो प्रस्तुत किया जाएगा जिसमें बाल्यावस्था की चिंता जैसे विषयों पर केंद्रित प्रस्तुति होगी और इसका निर्देशन ह्वांग सियोकयोंग करेंगे।

इसके बाद 14 फरवरी को इटली से 'वैरिएशंस' का शो होगा जिसमें मंच पर जन्मी डोरी कठपुतली 'प्रोटो', जिज्ञासा और आनंद के साथ दुनिया को खोजती है।इसी क्रम में 15 फरवरी को अल्बानियाई शादी की थीम पर 'रेड राइडिंग हुड मीट्स प्रिंसेस डोनिका' का प्रदर्शन होगा।

बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक समुदाय में डर का माहौल

ढाका/एपी। बांग्लादेश में हाल के महीनों में हिंदुओं पर हुए हमले को मानवाधिकार समूह और हिंदू नेता 12 फरवरी को होने वाले राष्ट्रीय चुनावों से पहले बढ़ते ध्रुवीकरण और इस्लाम समर्थकों के पुनरुत्थान के तौर पर देख रहे हैं।

कपड़े की एक फैक्टरी में काम करने वाले दीपू चंद्र दास (27) पर दिसंबर में कई मुस्लिम सहकर्मियों ने पैगंबर मोहम्मद के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया था। इन आरोपों के बाद हिंसक भीड़ उसके कार्यस्थल पर उमड़ पड़ी और पीटकर हत्या कर दी। उसके शव को पेड़ से लटकाकर आग लगा दी गई।

पूरे देश में, अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के सदस्यों ने घटना के रिकॉर्ड किए गए दृश्यों को अपने मोबाइल फोन पर देखा और सहम गए। इस घटना को लेकर, ढाका और अन्य शहरों में विरोध प्रदर्शन भड़क उठे, प्रदर्शनकारियों ने न्याय और अधिक सुरक्षा की मांग की। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने जांच के आदेश दिए और पुलिस ने कहा कि लगभग एक दर्जन लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

रोहित शेट्टी फायरिंग केस: पुणे से आशाराम फसले गिरफ्तार, शूटर को हथियार मुहैया कराने का आरोप

मुंबई/एजेन्सी

जुहू इलाके में मशहूर फिल्म निर्माता और निर्देशक रोहित शेट्टी के घर पर हुई फायरिंग की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। इस हाई-प्रोफाइल मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच लगातार जांच कर रही है और अब इसमें एक के बाद एक नए खुलासे सामने आ रहे हैं। इस कड़ी में, क्राइम ब्रांच की एंटी एक्सटॉर्शन सेल ने इस केस में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस की ओर से मिली जानकारी के अनुसार, इस आरोपी को पुणे से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी का नाम आशाराम फसले बताया जा रहा है। आरोप है कि इसने शूटर को बंदूक मुहैया कराई थी। इस गिरफ्तारी के साथ मामले में अब तक पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। गुरुवार को इन सभी पांचों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया जाएगा, जहां पुलिस उन्हें रिमांड पर लेने की मांग करेगी। गौरतलब है कि इससे पहले जिन चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था, उनकी पुलिस कस्टडी की अवधि आज समाप्त हो रही है।

प्रदर्शन

कोलकाता में गुरुवार को आनंदपुर आग हादसे में कम से कम 27 लोगों की मौत के बाद टीएमसी की अगुवाई वाली पश्चिम बंगाल सरकार के खिलाफ कांग्रेस सदस्यों के विरोध प्रदर्शन के दौरान एक सिक्योरिटी ऑफिसर प्रदर्शनकारियों को रोकने की कोशिश करता हुआ।

अमेज़न और आईआईटी रूड़की ने की साझेदारी, कृषि अवशेषों से विकसित होंगे पैकेजिंग समाधान

बेंगलूरु/दक्षिण भारत

अमेज़न इंडिया ने बुधवार को आईआईटी रूड़की के साथ महत्त्वपूर्ण साझेदारी की। इसके अंतर्गत कृषि अवशेषों से ऐसे नए पैकेजिंग मटीरियल तैयार किए जाएंगे, जो लकड़ी आधारित कागज़ और प्लास्टिक पैकेजिंग का विकल्प बनें। इस योजना का मकसद लकड़ी पर आधारित नहीं, बल्कि कृषि अवशेषों से तैयार होने वाली कागज़ तकनीक को विकसित करना है, ताकि इन अवशेषों को जलाने के बजाय उपयोग किया जा सके और नए लकड़ी वाले पल्प पर निर्भरता कम हो। नई पैकेजिंग हल्की होने के साथ मजबूत और पूरी तरह से पुनर्चक्रण योग्य होगी।

शोध के दौरान गेहूं की पराली और गन्ने की बगास जैसे कृषि अवशेषों से उच्च गुणवत्ता वाला पल्प तैयार किया जाएगा। उसका इस्तेमाल ऐसे कागज़ और पैकेजिंग सामग्री बनाने में होगा, जिनकी मजबूती और टिकाऊपन पारंपरिक पैकेजिंग के समान हो। यह प्रयास न केवल पराली जलाने की समस्या को घटाने में सहायक होगा, बल्कि आयातित लकड़ी के पल्प पर निर्भरता कम करेगा। इससे किसानों के लिए अतिरिक्त आमदनी के मौके भी पैदा होंगे।आईआईटी रूड़की के पेपर और पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग के साथ यह शोध परियोजना प्रारंभ में लगभग 15 महीनों तक लैब स्तर पर परीक्षण और विकास के चरण में रहेगी। परिणाम सकारात्मक रहने पर अमेज़न औद्योगिक परीक्षण, प्रक्रिया की पुष्टि और व्यावसायिक उत्पादन को अगले वर्ष के मध्य या अंत तक आगे बढ़ाने में सहयोग देगा।

अमेज़न इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट (ऑपरेशंस) अभिनव सिंह ने कहा, 'अमेज़न में हम भारत का सबसे तेज़, सुरक्षित और भरोसेमंद ऑपरेशंस नेटवर्क विकसित कर रहे हैं। इसे अधिक टिकाऊ बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आईआईटी रूड़की के साथ यह साझेदारी हमें कृषि अवशेषों से नवीन पैकेजिंग समाधान तैयार करने का अवसर देती है। भारत में हर साल लगभग 500 मिलियन टन कृषि अपशिष्ट उत्पन्न होता है। यदि इसे पैकेजिंग सामग्री में परिवर्तित किया जाए तो हम सर्कुलर इकोनॉमी को सुदृढ़ कर सकते हैं और पारंपरिक संसाधनों पर निर्भरता कम कर सकते हैं।'

आईआईटी रूड़की के निदेशक प्रो. कमल किशोर पंत ने कहा, 'आज सस्टेनेबिलिटी कोई विकल्प नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आवश्यकता बन चुकी है। अमेज़न और आईआईटी रूड़की का यह सहयोग सर्कुलर इकोनॉमी की दिशा में भारत के विज़न को आगे बढ़ाने का एक मजबूत कदम है, जो स्वच्छ भारत, स्टार्टअप इंडिया और राष्ट्रीय संसाधन दक्षता नीति जैसे सरकारी अभियानों के अनुरूप है। कृषि अवशेषों को बायोडिग्रेडेबल पैकेजिंग में बदलकर हम पराली जलाने और नए मटीरियल पर निर्भरता जैसी दो बड़ी चुनौतियों को एकसाथ हल कर रहे हैं। यह पहल दिखाती है कि अकादमिक शोध और उद्योग की साझेदारी मिलकर देश के लिए टिकाऊ और आत्मनिर्भर समाधान कैसे तैयार कर सकती है।'

लीसा रे ने बदली 1बीच बॉडी' की परिभाषा, बोलीं- 'अब मंजूरी नहीं, आजादी जरूरी'

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म और फैशन की दुनिया में फिटनेस और लुक्स काफी मायने रखते हैं। ऐसे में एक्ट्रेसेस के लिए उम्र बढ़ने के साथ यह दबाव और भी बढ़ता जाता है, लेकिन कुछ अभिनेत्रियां ऐसी हैं, जिन्होंने इन दबावों को नहीं माना और अपनी शर्तों पर जिंदगी जीती हैं। अभिनेत्री लीसा रे उन्हीं में से एक हैं। 50 साल की उम्र में उन्होंने 'बीच बॉडी' की सोच को नए मायने दिए हैं और इसे आत्मस्वीकृति, आजादी और आत्मसम्मान से जोड़कर देखा है। लीसा रे ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर बीच से अपनी कुछ तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों के कैप्शन में उन्होंने लिखा, ''एक समय था जब बीच पर खूबसूरत दिखने का मतलब एक तय इमेज से जोड़ा जाता था, रेड स्विमसूट, रेड लिपस्टिक और हर हाल में परफेक्ट दिखने का दबाव। साल 1991 के ग्लैडरैग्स कवर ने मेरी यही छवि

लोगों के मन में बसा दी थी और इसी छवि के सहारे मैंने अपना करियर भी बनाया। लेकिन, आज मेरे लिए सबसे ज्यादा मायने आज रखती है।''

उन्होंने आगे लिखा, ''शरीर समय के साथ बदला है, जिंदगी में उतार-चढ़ाव आए हैं, बीमारियों से लड़ी हूं और खुद को फिर से खड़ा किया है। अब दूसरों की मंजूरी से ज्यादा सुकून अपने आप को स्वीकार करने में मिलता है। उन असंभव सुंदरता मानकों से बाहर निकलना ही मुझे असली राहत है। ये मानक महिलाओं के लिए बनाए ही ऐसे गए थे कि उन्हें पूरा करना मुश्किल लगता है।'' लीसा रे ने हॉलीवुड अभिनेत्री पामेला एंडरसन का जिक्र किया। उन्होंने कहा, पामेला कभी रेड स्विमसूट में दिखाई देने वाली सबसे बड़ी फैंटेसी मानी जाती थीं।

लेकिन आज वह खुद उस छवि को तोड़ चुकी हैं और अपनी पहचान खुद गढ़ रही हैं। लीसा ने कहा, ''मुझे ग्लैमर या मेकअप से कोई परेशानी नहीं है। शूट, रील्स और सार्वजनिक कार्यक्रमों के लिए सजना-संवरना मजेदार लगता है। बीच मेरे लिए वह जगह है, जहां मैं पूरी तरह नेचुरल रहना चाहती हूं।'' उन्होंने कहा, ''1990 के दशक में सनस्क्रीन का ज्यादा चलन नहीं था। मैं कई बार धूप में बुरी तरह झुलसी हूं। आज उसकी छाप मेरी त्वचा पर दिखती है। लेकिन यह मेरी कमजोरी नहीं है। यह सब उनकी जिंदगी का हिस्सा है और मैं इसके साथ पूरी तरह सहज हूं।''

शादी के बाद जूनियर बच्चन बने सिल्वर स्क्रीन के 'जादूगर'

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन की जिंदगी में ऐश्वर्या राय का आना किस्मत की चाबी की तरह थी, जिसने उनके जीवन और करियर के कई बंद दरवाजे धीरे-धीरे खोल दिए। पत्नी के रूप में वह धैर्य और समझदारी के साथ अभिनेता की जीवन में 'ऐश्वर्य' लेकर आईं। नतीजा ये रहा कि आज जूनियर बच्चन को सिर्फ एक स्टार किड नहीं, बल्कि सिल्वर स्क्रीन का 'जादूगर' भी कहा जाने लगा है। 5 फरवरी 1976 को मुंबई में जन्मे अभिषेक बच्चन की लव स्टोरी काफी दिलचस्प है। अभिषेक और ऐश्वर्या, दोनों पहली बार साल 2000 में फिल्म 'ढाई अक्षर प्रेम के' में साथ नजर आए। इसके बाद 'कुछ ना कहो' में उनकी जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया। कैमरे के सामने दिखने वाली यह केमिस्ट्री धीरे-धीरे असल जिंदगी में भी बनने लगी। साथ काम करते हुए दोनों ने एक-दूसरे को करीब से समझा और यह रिश्ता दोस्ती से आगे बढ़ता चला गया। साल 2006 में रिलीज हुई 'उमराव जान' और सुपरहिट फिल्म 'धूम 2' जैसी फिल्मों में उनकी जोड़ी को काफी पसंद किया गया। फिल्म 'गुरु' के रिलीज होने के बाद साल 2007 में दोनों ने शादी कर ली। दोनों ने एक-दूसरे के करियर को समझा और सपोर्ट किया, जिसका असर खास तौर पर अभिषेक के काम में साफ दिखा।

शादी के बाद अभिषेक बच्चन के करियर में साफ बदलाव दिखाई दिया। इस दौर में उन्होंने सिर्फ 'स्टार हीरो' बनने की दौड़ से खुद को अलग किया और ऐसे किरदार चुने, जिनमें अभिनय की गहराई और चुनौती हो। भले ही हर फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट न रही हो, लेकिन एक अभिनेता के तौर पर अभिषेक को लोगों ने काफी सराहा। 'झूम बराबर झूम' और 'सरकार राज' जैसी फिल्मों में उन्होंने साबित कर दिखाया कि वे रोमांस से लेकर गंभीर राजनीतिक ड्रामे वाले किरदारों में खुद को ढाल सकते हैं।

'दोस्ताना' (2008) में अभिषेक ने अपनी इमेज पूरी तरह बदल दी। कॉमिक टाइमिंग और दोस्ती के इमोशन्स को उन्होंने इतनी आसानी से निभाया कि दर्शकों को यह उनका रोल बेहद पसंद आया। 'पा' (2009) उनके करियर की सबसे अहम फिल्मों में गिनी जाती है। यहां उन्होंने एक गंभीर किरदार निभाया। खास बात यह रही कि फिल्म में महानायक और उनके पिता अमिताभ बच्चन भी थे, लेकिन उनके सामने होते हुए भी अभिषेक का अभिनय कमजोर नहीं पड़ा, बल्कि दर्शकों के बीच गहरी छाप छोड़ी। 'दिल्ली-6' (2009) में उनके अभिनय को सराहा गया।

'रावण' (2010) और 'दम मारो दम' (2011) में अभिषेक ने डार्क और ग्रे शेड वाले किरदारों को चुना। 'दम मारो दम' में उनका सख्त पुलिस अफसर वाला रोल दर्शकों को काफी पसंद आया।

'आराधना' में राजेश खन्ना की जीप चलाने वाला वो 'दोस्त', जो अपनी माटी के लिए बना 'भोजपुरी का पहला सुपरस्टार'

मुंबई/एजेन्सी

कल्पना कीजिए दार्जिलिंग की हसीन वादियों की, एक खुली जीप पहाड़ी रास्तों पर दौड़ रही है और उसमें सुपरस्टार राजेश खन्ना गा रहे हैं, 'मेरे सपनों की रानी कब आएगी तू...'। भारतीय सिनेमा के इतिहास में यह गीत अमर है। क्या आपने कभी उस जीप को चलाने वाले व्यक्ति पर गौर किया, जो हाथ में माउथ ऑर्गन लिए गा रहा है, जिसकी सादगी और मुस्कुराहट ने उस पूरे दृश्य को एक विश्वसनीय आधार दिया? वो शख्स कोई और नहीं, बल्कि सुजीत कुमार थे। बॉलीवुड के लिए वो एक 'लकी चार्म' और वफादार दोस्त थे, लेकिन उत्तर प्रदेश और बिहार की माटी के लिए वे 'प्रथम सुपरस्टार' थे। शमशेर बहादुर सिंह से सुजीत कुमार बनने तक का सफर किसी फिल्मी पटकथा से कम रोमांचक नहीं है। 7 फरवरी 1934 को वाराणसी के पास चकिया के एक किसान परिवार में जन्मे सुजीत कुमार का अभिनय से दूर-दूर तक नाता नहीं था। वे कानून (एलएलबी) की पढ़ाई कर रहे थे और उनका इरादा अदालत में दलीलें पेश करने का था। लेकिन नियति ने उनके लिए कुछ और ही तय कर रखा था।

कॉलेज के दिनों में एक नाटक के दौरान प्रसिद्ध निर्देशक फणी मजूमदार की नजर उन पर पड़ी। मजूमदार उनकी लंबी कद-काठी और रौबीली आवाज से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने शमशेर को वकालत छोड़कर बंबई आने की सलाह दी। एक नौजवान के लिए यह फैसला जोखिम भरा था, लेकिन शमशेर ने साहस दिखाया और 'सुजीत कुमार' के नाम से मायानगरी में कदम रखा। 1960 के दशक में सुजीत कुमार ने हिंदी सिनेमा में अपनी पहचान बनानी शुरू की। उस दौर में सस्पेंस और

मिस्ट्री फिल्मों का बहुत क्रेज था। 1966 में आई फिल्म 'लाल बंगला' ने उन्हें एक ऐसे नायक के रूप में स्थापित किया जो रहस्यमयी कहानियों को अपने कंधों पर ढो सकता था। 'एक साल पहले' और 'लंबू इन हांगकांग' जैसी फिल्मों ने उन्हें मध्यम बजट की फिल्मों का भरोसेमंद चेहरा बना दिया। हालांकि, मुख्यधारा के सिनेमा में उनकी असली चमक अभी बाकी थी।

सुजीत कुमार का सबसे बड़ा ऐतिहासिक योगदान क्षेत्रीय सिनेमा में रहा। 1963 में आई फिल्म 'बिदेसिया' ने उन्हें पूर्वांचल और बिहार के घर-घर में पहुंचा दिया। इसमें उनके द्वारा निभाया गया 'बिदेसी ठाकुर' का पात्र आज भी लोक-संस्कृति का हिस्सा है। लेकिन असली चमत्कार हुआ 1977 में। उस समय भोजपुरी सिनेमा लगभग दम तोड़ रहा था। फिल्मों का निर्माण बंद था और दर्शक हिंदी फिल्मों की ओर रुख कर चुके थे। ऐसे में सुजीत कुमार 'दंगल' लेकर आए, जो भोजपुरी की पहली रंगीन फिल्म थी। इस फिल्म का गीत 'काशी हिले पटना हिले' आज भी उत्सवों की जान है। वहीं, भोजपुरी फिल्म 'गंगा मैया तोहे पियरी चढ़इबो' (1962) में दिग्गज अभिनेता सुजीत कुमार ने एक सहायक अभिनेता के रूप में काम किया था।

'दंगल' ने न केवल भारत में बल्कि मॉरीशस और फिजी जैसे देशों में भी सफलता के झंडे गाड़ दिए। इसने भोजपुरी फिल्म उद्योग को पुनर्जीवित किया, इसीलिए सुजीत कुमार को भोजपुरी सिनेमा का 'भीष्म पितामह' और 'पहला सुपरस्टार' कहा जाता है। 70 के दशक में सुजीत कुमार ने अपनी रणनीति बदली। जहां वे भोजपुरी में 'किंग' थे, वहीं बॉलीवुड में उन्होंने चरित्र भूमिकाओं को पूरी ईमानदारी से निभाया। सुपरस्टार राजेश खन्ना के साथ उनकी जोड़ी बेमिसाल थी। 'आराधना', 'हाथी मेरे साथी', 'अमर प्रेम' और 'अवतार' जैसी करीब 12 सुपरहिट फिल्मों में वे खन्ना के साथ नजर आए। निर्माताओं का मानना था कि सुजीत कुमार फिल्म में हों तो सफलता निश्चित है।एक और दिलचस्प रिकॉर्ड सुजीत कुमार के नाम है।

उन्होंने भारतीय सिनेमा में सबसे अधिक बार 'पुलिस ऑफिसर' की भूमिका निभाने वाले अभिनेताओं में से एक का गौरव प्राप्त किया। 'इत्तेफाक' का तेज-तर्रार इंस्पेक्टर हो या 'क्रांतिवीर' का पुलिस कमिश्नर, वर्दी उन पर जंचती थी। सुजीत कुमार केवल कैमरे के सामने ही नहीं, बल्कि कैमरे के पीछे भी सक्रिय रहे।

बीजेस कुन्नूर द्वारा कैंसर क्रूसेडर्स का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां भारतीय जैन संघटना फाउंडेशन प्रोग्राम श्रृंखला के अंतर्गत देशभर के बीजेएस चैप्टर्स हर माह फाउंडेशन प्रोग्राम्स के आयोजन में निरंतर सराहनीय रूप से सक्रिय रहते हैं। इसी श्रृंखला के अंतर्गत फरवरी माह में फाउंडेशन प्रोग्राम कैंसर क्रूसेडर्स का आयोजन कुन्नूर बीजेस टीम ने किया है। कैंसर जागरूकता दिवस के मौके पर, कुन्नूर बीजेस चैप्टर ने नानकेम हॉस्पिटल में पैप स्मीयर कैंसर स्क्रीनिंग कैंप लगाया। इस केम्प में 10 महिलाओं का टेस्ट पूरी तरह से फ्री में हुआ। कुन्नूर के जाने-माने हॉस्पिटल में से एक नानकेम हॉस्पिटल के मालिक डॉ. अनुसूया का स्वागत और सम्मान किया। डॉ. अनुसूया और उनकी डेडिकेटेड टीम ने पूरे आयोजन सहयोग किया। इस मौके पर बीजेएस के अनेक सदस्य, महिला विंग अध्यक्ष शीतल मालू, पुरुष विंग अध्यक्ष यश बरडिया और राज्य महिला विंग अध्यक्ष सरला बरडिया उपस्थित थे।

इंडियन बैंक ने वीआईटी चेन्नई के साथ साझेदारी कर पीएसबीएस हैकाथॉन सीरीज का आयोजन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। इंडियन बैंक ने वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, (वीआईटी) चेन्नई के सहयोग से, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की राष्ट्रव्यापी पहल के अंतर्गत पीएसबीएस हैकाथॉन सीरीज 2026 का आयोजन कर रहा है। इस हैकाथॉन का विषय है इंटेलिट्रेस: धोखाधड़ी से सुरक्षा - पहचान - रोकथाम, जिसका उद्देश्य वित्तीय धोखाधड़ी के बढ़ते जोखिमों से निपटने के लिए नवीन, प्रौद्योगिकी-आधारित समाधानों को बढ़ावा देना है। इस हैकाथॉन में क्रॉस-चैनल म्यूल अकाउंट्स, मल्टी-टियर सप्लाई चेन फ्रॉड डिटेक्शन और नेटवर्क-लेवल फ्रॉड एनालिटिक्स जैसी महत्वपूर्ण समस्या-समाधानों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जिससे प्रतिभागियों को बैंकिंग इकोसिस्टम के लिए स्केलेबल और व्यावहारिक समाधान विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

इंडियन बैंक और वीआईटी चेन्नई के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करके इस सहयोग को औपचारिक रूप दिया गया। इस अवसर पर दीपक सारदा, सीजीएम (आईटी), इंडियन बैंक के अन्य वरिष्ठ अधिकारी तथा वीआईटी के शैक्षणिक नेतृत्व के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम वीआईटी परिसरों और अन्ना विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले संस्थानों के छात्रों, शोधकर्ताओं, विद्वानों और स्टार्टअप्स के लिए खुला है। इस अवसर पर बोलते हुए, इंडियन बैंक के अधिकारियों ने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह पहल डिजिटल बैंकिंग युग में धोखाधड़ी की रोकथाम और ग्राहक विश्वास को मजबूत करने के लिए नवाचार, डेटा एनालिटिक्स और फिनटेक सहयोग का लाभ उठाने की बैंक की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

साडी वितरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के कोडुंगैयूर स्थित थिरुथंगल नाडार कॉलेज में सामाजिक सेवा की भावना के तहत करुणा इंटरनेशनल द्वारा कॉलेज के नॉन-टीचिंग (नॉन-स्टाफ) कर्मचारियों को नई साड़ियाँ वितरित की गई। इसके प्रायोजक ऊषा मंडोत रहे। इस अवसर पर करुणा इंटरनेशनल के अध्यक्ष सज्जन जैन, निर्मला वशंत छल्लाणी, कोषाध्यक्ष सुनील अग्निहोत्री, वशंत छल्लाणी, रूपा कन्नन, संपत आदि उपस्थित थे।

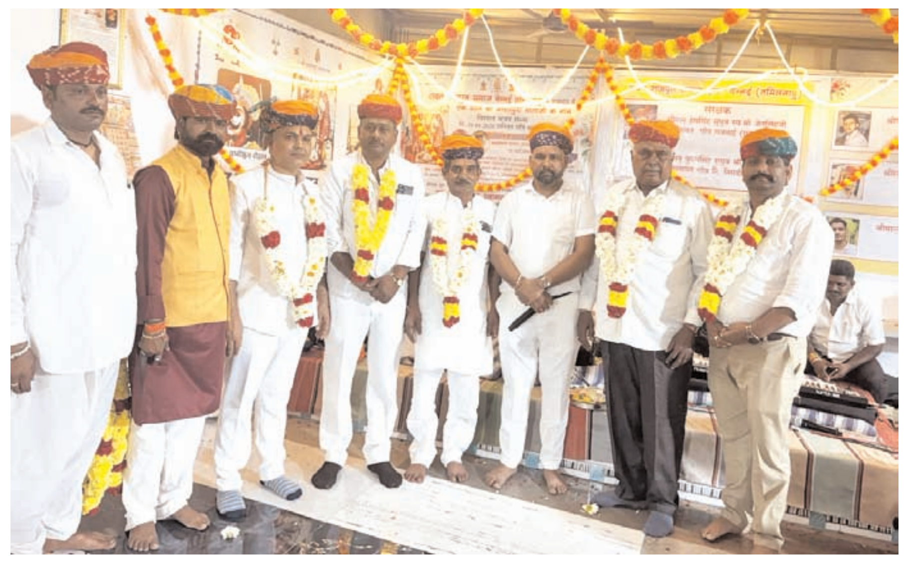

एक शाम श्री आशापुरा माताजी के नाम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां चेन्नई रावत राजपूत समाज द्वारा एक शाम आशापुरा माताजी के नाम भव्य जागरण आयोजित किया गया। जिसमें मारवाड़ से पधारे भजन गायक बाबूसिंह रावत पुखराज सीरवी ने एक से बढ़कर एक भजन गाएं जिसमें भक्तों ने बढ़ चढ़कर जयकारों लगायें व माहौल भक्तिमय बना दिया।

संस्था के अध्यक्ष हजारीसिंह धामावत डिगोर, उपाध्यक्ष मदनसिंह पंवार, सचिव सेठुसिंह, कोषाध्यक्ष जालमसिंह, महामंत्री खेतसिंह, सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

पेरंबूर में एक और नई डायलिसिस मशीन का उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री जैन मेडिकल रिलीफ सोसायटी की पेरंबूर इकाई आंचीबाई हेमराज कटारिया डायलिसिस सेंटर में 4 फरवरी, बुधवार को एक और नई डायलिसिस मशीन का उद्घाटन हुआ। यह डायलिसिस मशीन पारसमल चौधरी जैन ट्रस्ट द्वारा भेंट की गई।

इस मौके पर सोसायटी अध्यक्ष अशोक मेहता ने बताया कि जैन मेडिकल रिलीफ सोसायटी द्वारा प्रतिवर्ष हजारों निशक्त लोगों की न्यूनतम मूल्य पर डायलिसिस की जाती है। चेयरमैन हरीश पारेख व सह सचिव भरत लोढ़ा ने माला, शाल व स्मृति चिन्ह से पारसमल मुकेश चौधरी का सम्मान किया। उल्लेखनीय है इस सेंटर में पहले से ही आठ डायलिसिस मशीन कार्यरत हैं। इसके लिए पेरंबूर इकाई के सचिव ज्ञानचंद कोठारी ने सहयोगी दानदाता का आभार व्यक्त किया। महासचिव राजकुमार दुगड ने बताया कि जैन मेडिकल सोसाइटी की कुल 34 मशीनों द्वारा प्रतिवर्ष लगभग 12000 मरीजों की अत्यंत कम मूल्य पर डायलिसिस की जाती है।

इस आयोजन में यूनिट के कोषाध्यक्ष सुशील ओस्तवाल, सह कोषाध्यक्ष महेन्द्र कुंकुलोल, सूरज बाफना, सुभाष कांकलिया, हरीश कांकरिया, किशोर झामड, तमिलमणी आदि उपस्थित थे।

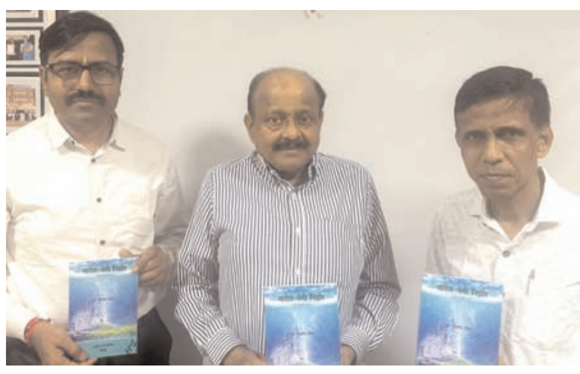

'नानेश-नेमी निर्झर' पुस्तक का विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। लाइफसेल इंटरनेशनल के चेयरमैन अभय श्रीश्रीमाल जैन ने 5 फरवरी, गुरुवार को टी. नगर स्थित आभूषण भवन में 'नानेश-नेमी निर्झर' पुस्तक का विमोचन किया। साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग द्वारा स्कूली जीवन में तैयार की गई सौ पृष्ठीय पुस्तक का प्रकाशन पिछले माह अभुषा फाउंडेशन ने किया। इसमें आचार्य नानालालजी महाराज और उनकी जीवनी के लेखक डॉ. नेमीचंद जैन की सूक्तियाँ तथा डॉ. नेमीचंद द्वारा डॉ. दिलीप धींग को लिखे पत्र-पत्रांश हैं।

श्रीश्रीमाल ने कहा, यह पुस्तक डॉ. धींग के बचपन की स्वाध्याय-रुचि व गुणग्राहकता का एक प्रेरणादायक दस्तावेज है। उन्होंने कहा, डॉ. धींग कवि, लेखक, इतिहासकार, शोधकर्ता व कार्यकर्ता होने के साथ अच्छे संपादक और अनुवादक भी हैं। गौरव की बात है कि ये तमिलनाडु में रहकर अपनी बहुआयामी साहित्य-साधना कर रहे हैं। वे यह पुस्तक बीकानेर में आचार्य रामलालजी महाराज को भी समर्पित करेंगे। डॉ. धींग ने बताया कि 35 साल पहले उन्होंने अपनी स्मृतिशेष माता श्राविकारत्न उमरावदेवी धींग की प्रेरणा से इन सूक्तियों का संकलन संपादन किया था, जो अनेक पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित व प्रशंसित हुई थीं। इस पुस्तक में साढ़े पाँच सौ सूक्तियाँ और चालीस पत्र-पत्रांश हैं। पत्रों में डॉ. नेमीचंद ने डॉ. धींग व उनके माता-पिता के सेवाभावी व्यक्तित्व को रेखांकित किया है। सीए विनोद कोठारी ने धन्यवाद दिया।

स्वास्थ्य जांच शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। कोयम्बटूर में गुरुवार को तमिलनाडु भाजपा के सह प्रभारी संयोजक सुधाकर रेड्डी, ने कोयम्बटूर उत्तर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित एक मोदी स्वास्थ्य एवं विकास कैंप कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस कैंप में कोयंबटूर पीपुल्स सर्विस सेंटर से सिलाई की ट्रेनिंग लेने वाले लभार्थियों को फ्री सिलाई मशीनें दी गईं। अपने पिता को खो देने वाली बच्ची को 10 हजार रुपए शिक्षा छात्रवृत्ति दी गई। सड़क किनारे फुटकर समान बेचने वालों को शेड टेंट दिए गए।

इस मौके पर एक स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र की विधायक एवं भाजपा की राष्ट्रीय महिला संगठन प्रमुख वनाती श्रीनिवास भी उपस्थित थीं।

विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के एसआरएम मेडिकल कॉलेज अस्पताल और अनुसंधान केंद्र में आयोजित जलवायु परिवर्तन शमन-स्वास्थ्य सेवा परिप्रेक्ष्य पर वैश्विक शिखर सम्मेलन में गणमान्य व्यक्तियों और स्वास्थ्य सेवा नेताओं ने शिखर सम्मेलन की रिपोर्ट जारी की।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.) Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.